WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान की लेटेस्ट फोटो हुई वायरल

वर्षः 01 अंक : 305 | लखनऊ, शनिवार, 24 अक्टूबर, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

संप्रग ने सत्ता से बेदखल होने का गुस्सा नीतीश पर निकाला, बिहार का विकास रोकाः मोदी

सासाराम (रोहतास), एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) एवं कांग्रेस का नाम लिए बगैर उनपर जमकर हमला बोला और कहा कि बिहार की जनता ने जब उन्हें पंद्रह वर्ष बाद सत्ता से बेदखल किया तो केंद्र की संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार में शामिल इन दलों ने अपना गुस्सा नीतीश सरकार पर निकाला और इस प्रदेश के विकास की राह में रोड़े अटकाए।

श्री मोदी ने शुक्रवार को रोहतास जिले के सासाराम से बिहार के 25 विधानसभा क्षेत्र के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मीदवारों के पक्ष में आयोजित अपनी पहली चुनावी रैली

में संबोधन की शुरुआत भोजपुरी भाषा में की और कहा, ÷बिहार के स्वाभिमानी और मेहनती भाई-बहन, अन्नदाता मेहनतकश किसान आप सभे के परनाम। हम ई गौरवशाली धरती के हम नमन कर तानी। मां मुंडेश्वरी माता के ई पावन भूमि पर रउआ सब के अभिनंदन कर तानी।÷ उन्होंने राजद और कांग्रेस पर इशारो-इशारों में निशाना साधा और कहा कि इन लोगों ने अपने पंद्रह वर्ष के कार्यकाल में बिहार को लूटा और उसका मान मर्दन किया। यहां जनता ने उन्हें विश्वास के साथ सत्ता सौंपी थी लेकिन उन्होंने सत्ता को अपनी तिजारी भरने का माध्यम बना लिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब बिहार के लोगों ने पंद्रह साल बाद उन्हें सत्ता से बेदखल किया और श्री नीतीश कुमार की अगुवाई में राजग की सरकार बनाई तो ये लोग बौखला गए। उन्हें काफी गुस्सा आया और उनके मन में जहर भर गया। इसके बाद दस साल तक इन लोगों ने केंद्र में संप्रग सरकार में रहते हुए बिहार के लोगों के प्रति अपना गुस्सा बिहार पर निकाला। संप्रग सरकार के माध्यम से इन लोगों ने बिहार के विकास की राह में न केवल रोड़े अटकाए बल्कि पूरी विकास प्रक्रिया को ही बाधित कर दिया।

केरल सोना तस्करी मामलाः हाई कोर्ट ने फैसला रखा सुरक्षित

कोच्चि, एजेंसी। केरल सोना तस्करी मामले में केरल हाई कोर्ट ने शुक्रवार को राज्य के मुख्यमंत्री कार्यालय में पूर्व सचिव एम शिवशंकर की अंतरिम जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। इसके बाद उन्हें 28 अक्तूबर तक गिरफ्तारी से राहत मिल गई है। उन्होंने ईडी और सीमा शुल्क विभाग द्वारा दर्ज किए गए मामलों पर जमानत याचिका दायर की थी। हाल ही में कस्टम विभाग ने मुख्यमंत्री के पूर्व प्रमुख सचिव एम शिवशंकर से 11 घंटे तक पूछताछ की थी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हाल ही में विशेष न्यायालय में चार्जशीट दाखिल करते हुए कहा था कि सोना तस्करी मामले में शिवशंकर एक अहम कड़ी हैं। ईडी ने कहा था है कि शिवशंकर की गहन जांच जरूरी है, क्योंकि उसी ने स्वप्ना सुरेश के लिए लॉकर खुलवाने की व्यवस्था की थी। बता दें कि राजनयिक सामान के साथ 30 किलोग्राम सोना तिरुअनंतपुरम हवाई अड्डे से बरामद किया गया था।

कपिल को पड़ा दिल का दौरा एंजियोप्लास्टी सर्जरी हुई

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत को पहली बार अपनी कप्तानी में 1983 में विश्व विजेता बनाने वाले कपिल देव को दिल का दौरा पड़ा है और उनकी राजधानी के एक अस्पताल में एंजियोप्लास्टी सर्जरी हुई है। कपिल इस समय आईसीयू में हैं और उनकी हालत स्थिर बताई जाती है। विश्व कप विजेता कप्तान को कल देर रात सीने में दर्द हुआ जिसके बाद वह रात एक बजे ओखला स्थित फोर्टिस अस्पताल पहुंचे। फोर्टिस की तरफ से जारी बयान में बताया गया है कि कपिल सीने में दर्द की शिकायत के साथ अस्पताल पहुंचे। 62 वर्षीय कपिल की जांच की गयी और कार्डियोलॉजी विभाग के निदेशक डॉ अतुल माथुर ने रात में ही कपिल की एंजियोप्लास्टी सर्जरी की। उन्हें आईसीयू में रखा गया है और वह डॉ माथुर तथा उनकी टीम की निगरानी में हैं। फोर्टिस के बयान के अनुसार कपिल की हालत स्थिर बतायी जाती है और उन्हें अगले कुछ दिनों में छुट्टी मिल जाने की उम्मीद है। कपिल को दिल का दौरा पड़ने की खबर आते ही सोशल मीडिया पर उनके लाखों प्रशंसकों ने उनके जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की है। क्रिकेट लीजेंड सचिन तेंदुलकर, भारतीय कप्तान विराट कोहली, पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर, कांग्रेस नेता शशि थरूर, पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान, कमेंटेटर हर्षा भोगले, आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स, ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन तथा उनके असंख्यक प्रशंसकों ने कपिल के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की है। कपिल इस समय चल रहे आईपीएल के दौरान एक टीवी चैनल के साथ काम कर रहे थे। कपिल की कप्तानी में भारत ने 1983 में पहली बार वर्ल्ड कप जीता था। कपिल ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 131 टेस्ट और 225 वनडे मैच खेले। उनके नाम टेस्ट में 5248 रन और 434 विकेट दर्ज हैं।

महबूबा मुफ्ती ने भाजपा पर साधा निशाना बोलीं,अनुच्छेद 370 के सहारे मांग रहे वोट

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली पर निशाना साधते हुए जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा है कि वोट मांगने के लिए उनके पास दिखाने को कुछ नहीं है। वे कहते हैं कि आप जम्मू-कश्मीर में जमीन खरीद सकते हैं, हमने आर्टिकल 370 को हटा दिया है। अब उन्होंने कहा कि वे मुफ्त में वैक्सीन देंगे। आज पीएम मोदी ने वोट के लिए आर्टिकल 370 की बात की। यह सरकार देश के मुद्दों को हल करने में विफल रही है। पीडीपी नेता मुफ्ती ने आगे कहा कि अर्थव्यवस्था की बात करें तो हम बांग्लादेश से भी पीछे हैं। बेरोजगारी हो या कोई अन्य मुद्दा, वे सभी मोर्चों पर विफल रहे हैं। जब वे सभी मोर्चों पर विफल होते हैं, तो उन्हें कश्मीर और अनुच्छेद 370 की याद

दिलाई जाती है। इतना ही नहीं मुफ्ती ने आगे कहा कि यह फैक्ट है कि चीन ने हमारी 1000 वर्ग मीटर की जमीन हथिया ली। मुझे लगता है कि शायद हमने 40 वर्गमीटर जमीन वापस ली। चीन आर्टिकल 370 की भी बात करता है। वे कहते हैं कि ये विवादास्पद है और पूछते हैं कि जम्मू-कश्मीर को केंद्रशासित प्रदेश क्यों बनाया गया। आर्टिकल 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अभूतपूर्व तरीके से चर्चित हुआ। बता दें कि बिहार चुनाव के मद्देनजर पीएम मोदी ने भागलपुर में एक रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जो लोग आज एनडीए के विरोध में खड़े है, वो देशहित के हर फैसले का विरोध कर रहे हैं। जम्मू कश्मीर से धारा-370 हटाने का फैसला हो, तीन तलाक के विरुद्ध कानून बनाकर मुस्लिम महिलाओं को नए अधिकार देना हो, ये लोग इन सभी फैसले के विरोध में हैं। इसके अलावा पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि मेरा झंडा यह है (जम्मू-कश्मीर का झंडा) है। जब यह झंडा वापस आएगा, तब हम वह झंडा (तिरंगा) भी फहराएंगे। जब तक हम अपना झंडा वापस नहीं पा लेते, हम कोई झंडा नहीं फहराएंगे।

भारत बना आईएलओ की संचालन परिषद का अध्यक्ष

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत को अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की संचालन परिषद का अध्यक्ष चुना गया है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने शुक्रवार को यहां बताया कि मंत्रालय में सचिव अपूर्व चंद्रा को अक्टूबर 2020 से जून 2021 की अवधि के लिए आईएलओ की संचालन परिषद का अध्यक्ष चुना गया है। वह संचालन परिषद की नवंबर 2020 में होने वाली बैठक की अध्यक्षता करेंगे। आईएलओ की संचालन परिषद महत्वपूर्ण संस्था है जो आईएलओ की नीतियों, एजेंडे और बजट का निर्धारण करती है और आईएलओ के महानिदेशक का चुनाव करती है। श्री चंद्रा को आईएलओ के 187 सदस्य देशों के वरिष्ठ अधिकारियों और प्रतिष्ठित व्यक्तियों से विचार विमर्श का अवसर मिलेगा और नीतियों में महत्वपूर्ण योगदान दे सकेंगे।

राजग ने अर्थव्यवस्था को किया बर्बाद, बिहार में 19 लाख नौकरी देने का वादा झूठाःराहुल

नवादा/भागलपुर, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद करने का आरोप लगाते हुए आज कहा कि इस संकट के समय में बिहार में 19 लाख नौकरी देने का झूठा वादा कर भाजपा युवाओं को गुमराह कर रही है। श्री गांधी ने नवादा और भागलपुर जिले में महागठबंधन उम्मीदवारों के पक्ष में शुक्रवार को आयोजित चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और बिहार की नीतीश सरकार ने बड़े पैमाने पर देश और राज्य की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। ऐसे में युवाओं को रोजगार दे पाना संभव हीं नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी से पूछा जाना चाहिए कि वर्ष 2014 के

लोकसभा चुनाव के समय हर वर्ष दो करोड़ युवाओं को नौकरी देने के उनके वादे का क्या हुआ। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार के युवक एवं युवतियों के लिए कुछ भी नहीं किया है। उन्होंने कहा कि यदि राजग बिहार में फिर से सरकार बनने के बाद 19 लाख लोगों को नौकरी देने का वादा कर रहा है तो उससे पूछा जाना चाहिए कि तब वह इतनों दिनों से क्या कर रहा था। श्री गांधी ने कहा कि श्री मोदी और श्री कुमार ने आज तक जनता के लिए नहीं बल्कि कुछ चुने हुए वर्ग के लोगों के लिए ही काम किया है। श्री मोदी को कभी भी किसान, युवा और गरीबों की चिंता नहीं रही। श्री मोदी ने हमेशा मुकेश अंबानी और अडाणी जैसे उद्योगपतियों के लिए कमा किया है। देश के हवाइअड्डे, रेलवे एवं अन्य सार्वजनिक संपत्तियां अंबानी और अडाणी को बेचा जा रहा है।

गोपालगंज में बीजेपी विधायक के काफिले पर पथराव, 5 गाड़ियां क्षतिग्रस्त

गोपालगंज, एजेंसी। बिहार के गोपालगंज जिले में वोट मांगने गए भाजपा के सदर विधायक सुभाष सिंह के काफिले पर असामाजिक तत्वों ने पथराव कर दिया। पथराव में विधायक के पांच गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं। जबकि 14 कार्यकर्ता चोटिल हो गए। ये घटना थावे थाने के हरदिया गांव में हुई। हमले के बाद भाजपा कार्यकर्ता उग्र हो गए व हमला करने वाले असामाजिक तत्वों के साथ मारपीट करने को उतारू हो गए। लेकिन, सदर विधायक व पार्टी के अन्य कार्यकर्ताओं ने उन्हें समझा-बुझाकर शांत कराया। इसकी सूचना मिलने के बाद सदर एसडीओ उपेन्द्र कुमार पाल, एसडीपीओ नरेश पासवान, नगर इंस्पेक्टर प्रशांत कुमार राय व थावे थानाध्यक्ष विशाल आनंद पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन की। बताया गया है।

जाकिर नाइक ने फिर उगला जहर, कहा- अगर वे गाली देते हैं तो उन्हें सलाखों के पीछे डाल दें

कुआलालंपुर, एजेंसी। भगोड़े आर्थिक अपराधी और विवादास्पद इस्लामिक धर्म गुरू जाकिर नाइक ने गैर-मुस्लिम भारतीयों को जेल में डालने के लिए खाड़ी देशों को उकसाया है। जाकिर नाइक ने मुस्लिम देशों से कहा कि इस्लाम या पैगंबर मोहम्मद की आलोचना करने वाले गैर-मुस्लिम भारतीयों को उनके देश में आने पर वे जेल में डाल दें। उन्होंने उनसे ऐसे भारतीयों का एक डेटाबेस बनाने को भी कहा, ताकि उनके देशों की यात्रा के समय उन्हें गिरफ्तार किया जा सके। भारत के खिलाफ जहर उगलने वाले नाइक ने कहा है कि ज्यादातर लोग जो इस्लाम और मुसलमानों के खिलाफ जहर फैलाते हैं वे भाजपा के भक्त हैं। रिपोर्ट के मुताबिक एक वीडियो में नाइक को इस्लामिक देशों से भारत में गैर-मुस्लिमों के सभी नकारात्मक टिप्पणियों और अपशब्दों का एक डेटाबेस बनाने और कंप्यूटर में स्टोर करने का आग्रह करते हुए सुना जा सकता है। उन्होंने कहा, अगली बार अगर वे किसी खाड़ी देश में जाते हैं, चाहे वह कुवैत, सऊदी अरब, दुबई या इंडोनेशिया हो, तो जांच करें कि क्या उन्होंने इस्लाम का अपमान किया है या पैगंबर का अपमान किया है और अगर उन्हें ऐसा काम किया है तो उनके खिलाफ मामला दर्ज करें और जेल में डाल दें। नाइस ने आगे कहा, यह सार्वजनिक कर दें कि हमारे पास एक डेटाबेस है, लेकिन नामों का खुलासा न करें। जैसे ही आते हैं, उन्हें गिरफ्तार करें, उन्हें कानून की अदालत में ले जाएं और उन्हें सजा दें। मेरा विश्वास करें, ज्यादातर लोग जो इस्लाम और मुसलमानों के खिलाफ जहर फैलाते हैं वे भाजपा के भक्त हैं, ऐसे करने से वे डर जाएंगे।

सात लाख से कम हुए कोरोना के सक्रिय केस

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना वायरस (कोविड-19) के सक्रिय मामलों में हो रही लगातार कमी से इनकी संख्या घटकर सात लाख से नीचे आ गयी है, जो एक माह पहले 10 लाख से अधिक थी। कोरोना को मात देने वालों की दर 90 प्रतिशत के करीब पहुंच गयी है तथा इसकी तुलना में संक्रमण के नये मामलों में कमी के चलते सक्रिय मामले घट रहे हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में 73,979 लोगों ने कोरोना को मात दी और 54,366 नये मामले आये जबकि 690 संक्रमितों की मौत हुई। इन्हें मिलाकर संक्रमितों की संख्या 77.61 लाख हो गयी है जिनमें से 69.48 लाख स्वस्थ हो चुके हैं और 1.17 लाख मरीजों की मौत हो चुकी है। इस अवधि में सक्रिय मामले 20,303 घटकर 6.95 लाख रह गए हैं। देश में स्वस्थ होने वालों की दर

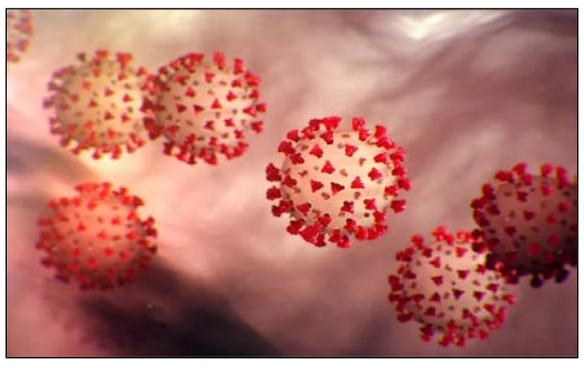

बढ़कर 89.53 प्रतिशत और सक्रिय मामलों की दर घटकर 8.96 प्रतिशत पर आ गयी है जबकि मृत्यु दर अभी 1.51 फीसदी है। कोरोना महामारी से सबसे अधिक प्रभावित महाराष्ट्र में भी सक्रिय मामले तेजी से घट रहे हैं और इनकी संख्या 1.50 लाख पर आ गयी है,जो एक समय तीन लाख से ऊपर थी। राज्य में पिछले 24 घंटों के दौरान सक्रिय मामले 8836 घटकर 1,50,510 रह गए हैं जबकि 198 की मौत होने से मृतकों की संख्या 42,831 हो गयी है और 16,177 के संक्रमण मुक्त होने से स्वस्थ हुए लोगों की संख्या 14.31 लाख से अधिक हो गयी। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना मरीजों की संख्या में 7513 की कमी से सक्रिय मामलों की संख्या घटकर 92,946 लाख हो गई हैं। राज्य में मृतकों का आंकड़ा 10,770 पर पहुंच गया है तथा अब तक 6.84 लाख से अधिक लोग स्वस्थ हुए हैं। आंध्र प्रदेश में इस दौरान मरीजों की संख्या 119 कम होने से सक्रिय मामले 32,257 रह गये। राज्य में अब तक 6524 लोगों की मौत हुई है। वहीं कुल 7.58 लाख लोग संक्रमण मुक्त हुए हैं। आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में इस दौरान 233 मरीज कम हुए हैं जिससे सक्रिय मामले 29,131 हो गये हैं तथा इस महामारी से 6790 लोगों की मौत हुई है जबकि 4.27 लाख से अधिक मरीज स्वस्थ हुए हैं। तमिलनाडु में सक्रिय मामलों की संख्या घटकर 34,198 हो गयी है तथा 10,825 लोगों की मौत हुई है। वहीं राज्य में अब तक 6.55 लाख से अधिक लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। केरल में सक्रिय मामले 93,393 हो गये तथा 1255 लोगों की मौत हुई है जबकि स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 2.74 लाख से अधिक हो गयी है।

दुनिया का विश्वास जीतना है तो हमें पहले घरेलू मुद्दे सुलझाने होंगेःथरूर

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने शुक्रवार को देश के संदर्भ में बड़ी बात कही। उन्होंने कहा कि अब तक भारत नियम बनाने वाले के बजाय नियम को स्वीकारने वाले देश की भूमिका में ज्यादा रहा है। भारत अगर दुनिया का विश्वास जीतना चाहता है तो उसे अर्थव्यवस्था समेत अपने घरेलू मुद्दों को जल्द से जल्द सुलझाना होगा। पूर्व विदेश राज्य मंत्री ने यह भी कहा कि हमने हमेशा से कहा है कि किसी भी देश की अंतरराष्ट्रीय विश्वसनीयता उसके घरेलू हालत का प्रतिबिंब होती है और अपने घर में उसकी सफलता ही इस बात की सबसे बड़ी गारंटी होती है कि 'हमारा विदेश में सम्मान हो तथा हम प्रभावशाली भी हों। थरूर ने पब्लिक अफेयर्स फोरम ऑफ इंडिया

के कार्यक्रम में कहा कि यह बेहद ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम घरेलू स्तर पर कुछ बहुत बुरे दौर से गुजर रहे हैं जहां सामाजिक एजुटता भंग हुई है, कोरोना वायरस महामारी का अनियंत्रित प्रसार हुआ है, चीन के साथ सीमा पर समस्या हैं, नोटबंदी के बाद अर्थव्यवस्था ध्वस्त हो गई और बेरोजगारी के आंकड़े इतिहास में सबसे उच्च स्तर तक चले गए।

एफएटीएफ की बैठक में अहम फैसला पाकिस्तान ग्रे लिस्ट में बना रहेगा

पेरिस, एजेंसी। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की बैठक में शुक्रवार को फैसला लिया गया कि पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में ही रखा जाएगा। फ्रांस की राजधानी पेरिस में हुई इस बैठक में कहा गया कि पाकिस्तान एफएटीएफ के एक्शन प्लान के सभी 27 मापदंडों का पालन करने में असफल रहा है। इसलिए उसे ग्रे लिस्ट में ही रखा जाएगा। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स का यह फैसला वैश्विक आतंकवाद की पनाहगाह बने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के एक बड़ा झटका है। इसके बाद अब पाकिस्तान के लिए विश्व मुद्रा कोष (आईएमएफ), विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक और यूरोपीय संघ जैसे अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से वित्तीय मदद हासिल करना और मुश्किल हो जाएगा। पहले से ही आर्थिक संकट का सामना कर रहे पाक की मुश्किलें अब और बढ़ेंगी। एफएटीएफ ने पाकिस्तान को जून 2018 में 'ग्रे' सूची में डाला था और इस्लामाबाद को धन शोधन और आतंकवाद के वित्तपोषण को रोकने की 27 बिंदुओं की कार्य योजना को वर्ष 2019 के अंत तक लागू करने को कहा था। कोविड महामारी की वजह से इस मियाद में वृद्धि कर दी गई। गौरतलब है कि कर्ज से दबे पाकिस्तान ने एफएटीएफ की ग्रे सूची से निकलने की कोशिश के तहत अगस्त महीने में 88 प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों और उनके नेताओं पर वित्तीय पाबंदी लगाई थी।

विश्व में कोरोना से 4.17 करोड़ लोग संक्रमित,11.37 लाख मरे

वाशिंगटन/रियो डि जेनेरो/नयी दिल्ली, एजेंसी। विश्वभर में वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) के तेजी से बढ़ने से संक्रमितों की संख्या 4.17 करोड़ से अधिक हो गई है तथा इससे मरने वालों का आंकड़ा 11.37 लाख के पर पहुंच गया। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार विश्व में कोरोना वायरस से अब तक 4.17 करोड़ से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं और 11.37 लाख से अधिक लोगों की मौत हुई है। इस महामारी से गंभीर रूप से जूझ रहे अमेरिका में संक्रमण से अब तक 2.23 लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है जबकि संक्रमितों की संख्या 84 लाख को पार कर 84,04,743 हो गयी है। भारत में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस के 54,366 नये मामले सामने आये और संक्रमितों की कुल संख्या 77,61,312 हो गयी। इसी अवधि में 73,979 लोगों ने कोरोना को मात दी और इसे मिलाकर देश में अब तक 69,48,497 मरीज कोरोनामुक्त हो चुके हैं। नये मामलों की तुलना में स्वस्थ होने वालों की संख्या अधिक होने से सक्रिय मामले 20,303 घटकर 6,95,509 हो गये हैं। इस दौरान 690 कोरोना संक्रमितों की मौत हुई और इस संख्या को मिलाकर इस महामारी से अब तक 1,17,306 लोगों की जान जा चुकी है। ब्राजील में कोरोना वायरस की चपेट में आने वाले लोगों की संख्या 53.23 लाख से अधिक हो गयी है जबकि करीब 1.55 लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। रूस में कोरोना से संक्रमित होने वालों की संख्या 14.53 लाख से अधिक हो गई है।

शादी की उम्र की असमानता दूर करने को लेकर याचिका सुप्रीम कोर्ट में

नयी दिल्ली, एजेंसी। पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए शादी की उम्र एक समान करने संबंधी एक याचिका उच्चतम न्यायालय में दायर की गयी है। याचिकाकर्ता ने शीर्ष अदालत से यह भी आग्रह किया है कि वह इस संबंध में राजस्थान और दिल्ली उच्च न्यायालयों में लंबित याचिकाओं को खुद के समक्ष स्थानांतरित कर ले। यह याचिका भारतीय जनता पार्टी नेता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने दायर की है ताकि संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 21 की व्याख्या को लेकर लगातार बढ़ते मुकदमों की संख्या कम हो सके। इस याचिका में लैंगिक न्याय और समानता से संबंधित मसले भी उठाये गये हैं। याचिकाकर्ता ने कहा है कि जहां पुरुषों को 21 वर्ष की आयु में विवाह करने की अनुमति है, वहीं

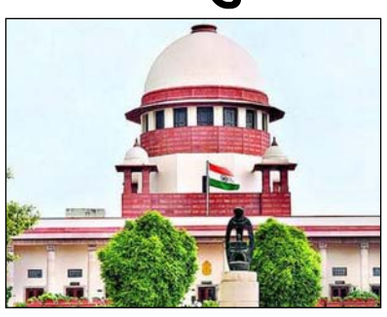

महिलाओं की शादी की न्यूनतम आयु 18 वर्ष है। पुरुषों और महिलाओं के विवाह की निर्धारित आयु में यह अंतर पितृसत्तात्मक रूढ़ियों पर आधारित है, जिसका कोई वैज्ञानिक समर्थन नहीं है। वास्तव में ये महिलाओं के खिलाफ असमानता और पूरी तरह से वैश्विक रुझानों के खिलाफ है। याचिका में विभिन्न कानूनों के तहत शादी की उम्र को निर्धारित करने वाले प्रावधानों को भी उजागर किया गया है, जो भेदभावपूर्ण हैं। याचिकाकर्ता ने कहा है कि किसी भी वर्ग के खिलाफ भेदभावपूर्ण रूढ़िवादिता को बनाये रखने या उसे मजबूत करने वाले कोई भी प्रावधान स्पष्ट रूप से मनमाना और अनुच्छेद 14, 15 और 21 का घोर उल्लंघन है। याचिकाकर्ता ने केंद्र सरकार को विवाह की न्यूनतम आयु में इन विसंगतियों को दूर करने के लिए उचित कदम उठाने और इसे पुरुषों एवं महिलाओं की दृष्टि से लिंग तटस्थ, धर्म तटस्थ और एक समान बनाने के दिशानिर्देश देने की मांग की है।

नारी शक्ति अभियान के तहद पुलिस ने महिलाओ और छात्राओ किया जागरूक

महराजगंज! परसा मलिक गुरूवार को पुलिस अधीक्षक व जिलाधिकारी के निर्देशन में जनपद के समस्त थानाध्यक्षों ने अपने- अपने थाना क्षेत्र में मिशन शक्ति (नारी सुरक्षा,नारी सम्मान,नारी स्वावलंबन) अभियान के अंतर्गत स्कूल, बाजार, सार्वजनिक स्थानों पर जाकर महिलाओं/बालिकाओं को सशक्त करने के लिए जागरूक किया। साथ ही महिलाओ के अधिकारों के बारे में बताया। परसा मलिक थाना क्षेत्र के सभी गांव की महिलाओ को थानाध्यक्ष मनीष कुमार सिंह ने कहा कि वह अपनी आत्मरक्षा स्वयं करें। अगर उन्हें कोई शोहदा परेशान करता है तो वह इसकी जानकारी महिला पुलिस व संबंधित थाना पुलिस को दें, जिससे संबंधित आरोपित के खिलाफ कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से महिला सुरक्षा के लिए कई कानून बनाये गये हैं इस कानून का सभी महिलायें व छात्रायें प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि अगर उनके साथ कोई अपराध होता है तो वह अपने स्वजन व पुलिस से न छिपाये। अगर अपने साथ हुये

अपराध को वह छिपायेंगी तो शोहदों के हौसलें बढ़ेंगे। परसा मलिक थाना अध्यक्ष मनीष कुमार सिंह के साथ रैली को हरी झंडी दिखाकर परसा मलिक थाना से सेखुआनी चौराहे के लिए रवाना किया गया मिशन शक्ति अभियान में मुख्य रूप से सेवतरी चौकी प्रभारी अनिल कुमार राये,एसआई उमेश कुमार शर्मा, कांस्टेबल,विवेक यादव,शंकर दयाल, अभिलेश,देवान शिवानंद पासवान,व महिला कांस्टेबल के नेतृत्व में निकाली गई रैली थाना अध्यक्ष के कुशल नेतृत्व में नारी शसक्तीकरण और नारी सुरक्षा गुरूवार ग्राम पंचायत सखुआनी शिवपुरी आदि गांव और प्राथमिक विद्यालय की छात्राओ में महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से जागरूकता रैली निकाली गई। छात्राओं को समाज मे होने वाले अपराधों के बारे में जागरूक करने के साथ साथ सरकार द्वारा चलाये जा रहे हेल्पलाइन नंबरों को भी बताया।

ट्रैक्टर के नीचे दबने से अधेड़ की मौत

बस्ती के परसरामपुर थाना क्षेत्र के महादेव निवासी राम सुमेर 50 की मार्ग दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गयी जानकारी के अनुसार वे अपने ट्रैक्टर को धुलवाने के लिए कुशमौर घाट बाजार ले जा रहे थे कि रास्ते मे ही ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलट गई राम सुमेर ट्रैक्टर के नीचे दब गए आसपास के लोगों ने किसी तरह उनको बाहर निकाला और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परसरामपुर ले गए जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पहले जैसी रौनक नहीं इस बार दुर्गा पूजा समारोह में

दुबौलिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत युवा मित्र मंडल नव दुर्गा पूजा समिति के सौजन्य से शासन के दिशा निर्देश को ध्यान मे रखते हुए हनुमान मन्दिर हेंगापुर में दुर्गा पूजा का आयोजन हो रहा है लेकिन कोविड-19 कोरोना महामारी के चलते इस बार दुर्गा पूजा समारोह में पहले जैसी रौनक नहीं देखने को मिल पा रही है सभी भक्तो के चेहरे पे निराशा साफ दिख रही है जो पहले की तरह धूमधाम दुर्गा पूजा का आयोजन नही कर पा रहे है युवा मित्र मंडल नव दुर्गा पूजा समिति हेंगापुर के अध्यक्ष राहुल सिंह उपाध्यक्ष अम्बुज सिंह व्यवस्थापक भोला प्रसाद पाण्डेय सहयोगीगण उदय प्रताप सिंह,अंकित मिश्रा,वकील सिंह ,शशि भूषण सिंह,सागर सिंह,जिलाजीत सिंह,देवता दीन सिंह,शिवम वर्मा,दीपक चौधरी, विशेष सहयोग-मनुज सिंह उर्फ (गोलू सिंह) सतीश पाल आदि सभी भक्त माता की सेवा में लगे हुए हैं।

गौसपुर प्राथमिक विद्यालय में विधायक रवि सोनकर ने रखी किसानों की पीड़ा

कलवारी। कलवारी के गौसपुर प्राथमिक विद्यालय पर कमिश्नर अनिल सागर ने राम जानकी मार्ग के चौड़ीकरण में किसानों की जा रही जमीन में उनकी समस्याएं सुना। विधायक रवि सोनकर ने किसानों की समस्याओं को रखाकर उचित कार्रवाही की मांग की। कमिश्नर ने कहा रामजानकी मार्ग के 55 किमी में जा रही किसानों की जमीन का सर्वेक्षण कराया जा रहा है। किसान परेशान न होने का आश्वासन दिया। गौसपुर प्राथमिक विद्यालय पर विधायक रवि सोनकर ने राम जानकी मार्ग के चौड़ीकरण में किसानों की समस्याएं को कमिश्नर अनिल सागर को अवगत कराया। किसान डॉ राम केवल ने कहा कि सड़क चार मीटर थी। उसके बाद से कई बार चौड़ीकरण हुआ हम लोगों को कोई मुआयजा नही मिला। संत्रोष सिंह ने कहा कि नक्शे में जितनी चौड़ी सड़क है उसके बाद जितनी जमीन ली जा रही हम लोगों को मुआवजा मिलना चाहिए। प्रेम प्रकाश सिंह ने कहा कि सड़क निर्माण में हम लोगों की काफी जमीन जा रही है। वहीं भाकियू के ब्लॉक अध्यक्ष वशगोपाल व जिला महामंत्री ओम प्रकाश चौधरी ने कहा कि बेनीपुर से मिर्जापुर तक सरयू नहर कटने से फसल बर्बाद हो गई है। गौसपुर के व्यापारियों ने मार्ग पर नाले का निर्माण कराने की बात रखी।

कमिश्नर अनिल सागर ने कहा कि राम जानकी मार्ग के चौड़ीकरण में किसानों से कई बार मेरी वार्ता हो चुकी है। राम जानकी के चौड़ीकरण में किसानों के जमीन का सर्वेक्षण कराया जा रहा है। इस दौरान किसानों के विकास के लिए तमाम योजनाओं के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर विधायक ने कमिश्नर व किसानों के प्रति आभार प्रकट किए। कार्यक्रम का संचालन प्रेम प्रकाश चौधरी ने किया। कार्यक्रम का आयोजन अभिषेक सिंह के नेतृत्व में किया गया। इस मौके पर मोहती दूबे, सचिन यादव, आनन्द तिवारी, गुंजन पांडेय, हरीश चतुवेद्वी, सुनील, जटा शंकर उपाध्याय, राम चेत सहित भारी संख्या में किसान मौजूद रहे।

थाना छावनी में महिला हेल्प डेस्क का हुआ उद्घाटन

छावनी। शुक्रवार को मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार के आदेशानुसार जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक के निर्देशन प्रभारी निरीक्षक सौदागर राय के नेतृत्व में शुक्रवार को थाना परिसर में महिला हेल्प डेस्क का शुभारंभ किया गया महिला हेल्प डेस्क का उद्घाटन डाक्टर तनुश्री सी.एच.सी विक्रमजोत डा0 लावोस्की डायरेक्टर सी.पी.एम.ए पचवस राजा मल्ल स्टाफ नर्स श्रीमती संगीता आशा बहू श्रीमती संतोष देवी ग्राम प्रधान छावनी शहनाज बेगम ग्राम प्रधान खम्हरिया श्रीमती सुमित्रा कसौधन समाज सेविका महिला कांस्टेबल प्रतीक्षा दुबे महिला कांस्टेबल नाजिया खातून महिला कांस्टेबल अंशु मिश्रा थाना छावनी जनपद बस्ती द्वारा किया गया जिसमें थाना छावनी क्षेत्र के जनता के लोग , मीडिया के लोग व थाना छावनी जनपद बस्ती पर नियुक्त समस्त अधिकारी और कर्मचारी गण उपस्थित रहे ,जिन्हें महिला हेल्प डेस्क से संबंधित समस्त जानकारिया प्रदान की गई । तथा डाक्टर तनुश्री चिकित्सा अधिकारी सीएचसी विक्रमजोत डा0 लावोस्की डायरेक्टर सी.पी.एम.ए पचवस राजा मल्ल स्टाफ नर्स श्रीमती संगीता आशा बहू श्रीमती संतोष देवी ग्राम प्रधान छावनी शहनाज बेगम ग्राम प्रधान खम्हरिया श्रीमती सुमित्रा कसौधन समाज सेविका महिला कांस्टेबल प्रतीक्षा दुबे महिला कांस्टेबल नाजिया खातून महिला कांस्टेबल अंशु थाना छावनी जनपद बस्ती को प्रशस्ति पत्र व शाल देकर सम्मानित किया गया।

राज्य महिला आयोग सदस्य इन्द्रवास ने हेल्प डेस्क के बारे में दी जानकारी

दुबौलिया। सरकार द्वारा महिलाओं से सम्बंधित अपराध पर विशेष ध्यान देने एवं उस के निस्तारण पर जोर देने के लिए शुक्रवार को दुबौलिया थाना परिसर मे नव निर्मित महिला हेल्प डेस्क कक्ष का शुभारंभ किया गया। महिला हेल्प डेस्क कक्ष का शुभारंभ राज्य महिला आयोग की सदस्य इन्द्रवास सिंह, डा0 तैयबा गुलफाम ने फीता काट कर किया। इस दौरान महिलाओं को हेल्पडेस्क के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाएं हुई सम्मानित

महिला हेल्प डेस्क का शुभारम्भ होने के अवसर पर क्षेत्र मे उत्कृष्ट कार्य के लिए दुबौलिया ग्राम प्रधान महिमा सिंह, पूर्व जिला पंचाय सदस्य अंजुम बेगम, शैर देवी, महिला सिपाही श्रद्धा राव, पल्वी सिंह, प्रभा पाण्डेय, डा0 तैयबा गुलफाम को शाल भेंट कर एवं प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर संम्मानित किया गया। इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार, प्रधान संघ अध्यक्ष अनिल सिंह, मुन्ना शास्त्री, राधेश्याम यादव, मुकेश सिंह, लल्लू सिंह सहित सैकडों लोगो मौजूद रहे।

एसडीएम सदर के आदेश पर मोहनापुर पहुंची राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम, दबंगों के आगे दिखी नतमस्तक, बैरंग वापस लौटी

गोरखपुर/ शाहपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत मोहनपुर घोसीपुरवा में जमीन की पैमाइश करने पहुंची टीम दबंगों के आगे नतमस्तक दिखी। राजस्व टीम में नायब तहसीलदार, कानूनगो, लेखपाल, शाहपुर थाना की पुलिस फोर्स की मौजूदगी के बावजूद भी दबंगों ने पीड़ित अहमद अली की जमीन की पैमाइश नहीं होने दिया। इससे पूर्व में भी 24 नवंबर 2019 में पैमाइश करने गई टीम को भी दबंगों के आगे बैरन वापस होना पड़ा था। दबंगों की मनबढ़ाई इस कदर है, कि वह पीड़ित को अब जान से मारने की धमकी दे रहे।

मिली जानकारी के अनुसार मोहनापुर घोसीपुरवा जंगल हकीम नंबर दो के रहने वाले अहमद अली पुत्र सन्नू ने विश्वनाथ से वर्ष 2005 में जमीन की रजिस्ट्री कराई थी और खारिज दाखिल भी करा लिया था । आराजी संख्या 1590 /1110 भाग संख्या 41,45 में जमीन है। जिस की पैमाइश के लिए पीड़ित पिछले 3 सालों से दर-दर भटक रहा है कई बार अधिकारियों के आदेश के बावजूद भी दबंगों ने जमीन की पैमाइश नहीं करने दे रहे। मुख्यमंत्री के गृह जनपद गोरखपुर का यह हाल है।कि अधिकारी अब दबंगों के आगे नतमस्तक दिख रहे हैं। वही पीड़ित -अहमद अली पुत्र स्वर्गीय सनू ने मीडिया के सामने रो-रो कर बताया कि साहब यह लोग इतने दबंग और सर्कस किस्म के हैं कि शाहपुर थाना पुलिस की मौजूदगी में ही जानलेवा हमला करने पर उतारू हो जाते हैं। कोर्ट कचहरी के चक्कर में मैंने अपनी पत्नी के ऊपर का जेवरात तक भी बेच डाले हैं, लेकिन अभी तक मुझे न्याय नहीं मिला है। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एसडीएम सदर गौरव सिंह सोगरवाल ने बताया कि मौके पर पहुंची टीम को विपक्षी द्वारा यह कहा गया कि गोरखपुर कमिश्नर के वहां से मेरा स्टे होने की बात बताई है। इस संबंध में टीम से रिपोर्ट मांगी गई है।

चौकी प्रभारी के स्थानांतरण पर किया गया विदाई समारोह का आयोजन

महराजगंज। भगवानपुर/ सोनौली कोतवाली क्षेत्र के पुलिस चौकी भगवानपुर में विगत कई महीनों से तैनात होकर सेवा दे रहे ,चौकी प्रभारी स्वतंत्र कुमार सिंह का स्थानांतरण पनियरा थाना क्षेत्र के पुलिस चौकी मुजुरी में हुआ है। उनके स्थानांतरण पर पुलिस चौकी भगवानपुर में विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

इस क्रम में चौकी पुरोहित आचार्य पं माधव तिवारी ने उनके बेहतरीन कार्यों की प्रशंसा करते हुए उनको तिलक माल्यार्पण कर एवं मुंह मीठा कराकर सम्मानित करते हुए विदाई दिया गया।

इस दौरान मुख्य रूप से पुरोहित आचार्य पं माधव तिवारी, गिरिजा शंकर पाण्डेय,हेड कांस्टेबल रामानंद यादव,इस्तिखार अंसारी, राममिलन, राजकुमार सिंह,अम्रेश,22वीं वाहिनी एसएसबी के उप निरीक्षक सामू सरदार, मेज़र अनिल कुमार, सहित पुलिस चौकी एवं एसएसबी समस्त स्टाप एवं क्षेत्र के अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

महिलाओं को मिला सम्मान थाना परशुरामपुर परिसर में महिला हेल्प डेस्क का हुआ उद्घाटन

परशुरामपुर। शुक्रवार को मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के महत्वकांक्षी योजना मिशन शक्ति का उद्घाटन थाना परसरामपुर बस्ती पर डॉक्टर डिंपल वर्मा चिकित्साधिकारी सीएचसी परसरामपुर बस्ती के द्वारा किया गया जिसमें महिला सशक्तिकरण में अग्रणी भूमिका निभाने वाली थाना क्षेत्र की महिलाओं को डॉक्टर डिंपल वर्मा व प्रभारी निरीक्षक परसरामपुर अशोक कुमार सिंह के द्वारा सम्मानित किया गया। सम्मानित किए जाने वाले महिलाओं का विवरण निम्न है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्चुअल कांफ्रेंस से किया संबोधित

कलवारी। थाना परिसर कलवारी में महिला हेल्प डेस्क का उदघाटन बहादुरपुर विकास खण्ड के ग्राम पंचायत कलवारी मुस्तहकम की प्रधान पुष्पा सिंह ने शुक्रवार को किया। उदघाटन सत्र को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्चुअल कांफेंस के माध्यम से सम्बोधित किया। मुख्यमंत्री का सम्बोधन मुख्य अतिथि के अलावा थानाध्यक्ष विन्देश्वरी मणि त्रिपाठी, राकेश मिश्र, राकेश कुमार तिवारी, दुर्विजय, अभिशेक सिंह प्रधान प्रतिनिधि संतोष उर्फ गुड्डू सिंह, महिला आरक्षी आशा गौड़, विजय लक्ष्मी, संयोगिता मौर्य, मेनिका चैहान, कविता, प्रतिभा मिश्र, पूनम पाठक, पिंकी यादव ने सुना। कार्यक्रम में महिला प्रधान, कर्मचारियों को जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक हस्ताक्षरित द्वारा प्रशस्ति प्रत्र दिया गया। उदघाटन के बाद प्रधान को महिला आरक्षी आशा गौड़ ने अंग वस्त्र दिया।

ऋषिकेश ने अयोध्या कोतवाली में मिशन शक्ति के तहत महिला हेल्प डेस्क का किया भव्य उद्घाटन

अयोध्या । श्री राम नगरी अयोध्या कोतवाली में मिशन शक्ति के तहत शुक्रवार को सुबह महिला हेल्प डेस्क का मेयर ऋषिकेश उपाध्याय ने फीता काटकर किया भव्य उद्घाटन किया।

इस मौके पर श्री उपाध्याय ने कहा कि शासन व सरकार की मंशा है कि हर पीड़ित महिला को समय से न्याय व इंसाफ मिले। इस महिला हेल्प डेस्क से अब महिलाओं को अपनी शिकायत दर्ज कराने में काफी आसानी होगी व कानूनी मदद पाने में भी सरलता होगी। उन्होंने कहा कि महिलाओ के सुरक्षा व सम्मान हेतु भाजपा ततपर है। जबकि पार्षद आलोक सिंह ने कहा कि योगी व मोदी राज में महिलाओं को जो सम्मान मिल रहा है। अब तक किसी सरकार में नही मिली थी। श्री सिंह ने महिला हेल्प डेस्क के उद्देश्य पर भी प्रकाश डाला। अयोध्या कोतवाली प्रभारी निरीक्षक आशुतोष मिश्र ने कहा कि अब महिलाएं निर्भीक व निडर होकर अपनी समस्या व शिकायत दर्ज करा सकेगी। यूपी पुलिस सदा पीड़ितों की मदद हेतु हर पल ततपर है। उन्होंने 1090 वीमेन पावर लाइन , 1076 सीएम हेल्प लाइन, 112 पुलिस सहायता आदि के बारे में महिलाओं में जानकारियां दी। इससे पूर्व मेयर का फूल माला पहनाकर स्वागत सम्मान किया गया। इस मौके पर वरिष्ट उप निरीक्षक रमेन्द्र वर्मा, महिला हेल्प डेस्क प्रभारी आरक्षी शालू सिंह व प्रियंका, निशा पांडेय सहित अन्य उपस्थित रहे।

वही दूसरी ओर महिला हेल्प डेस्क का अयोध्या उद्घाटन आरजेबी स्थानीय जागरूक महिलाए रंजना व चंदा सिंह व थाना प्रभारी राहुल कुमार द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस मौके पर थाना प्रभारी राहुल कुमार द्वारा मिशन शक्ति व महिला सहायता सुरक्षा चक्र के बारे में महिलाओं को जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि सरकार व शासन की ओर से महिलाओ को बहुत सी सुविधा दी गई है। महिलाएं 112 पुलिस सहायत, 1090 वोमेन पावर लाइन, 1076 सीएम हेल्प लाइन आदि नम्बरो पर फोन करके भी अन्य मदद ले सकती है। उन्होंने कहा कि अब महिलाएं बेझिझक अपना शिकायत व मामला यहां दर्ज करा कर न्याय प्राप्त कर सकती है। इस मौके पर महिला हेल्प डेस्क प्रभारी आरक्षी सोनिया रावत व साधना यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

आवास के नाम पर ठगे गए जानीपुर के अहमद

गोरखपुर/गोला थाना क्षेत्र के अंतर्गत जानीपुर गांव निवासी अहमद के नाम से आवास आया है। इसके नाम पर दो ब्यक्ति अहमद के घर आए ।घर पर अहमद नही थे उनकी पुत्री शन्नो ही थी। वह उनके झासे मे आकर 3500 रुपये दे दी।रुपया पाते ही दोनों ब्यक्ति विकास खण्ड पर आकर चेक लेने की बात कह कर चम्पत हो लिए।जानकारी के मुताबिक वर्तमान समय मे जिला से लेकर ब्लॉक,कस्बे से लेकर गांवों तक इन दिनों आवासों के नाम पर ठगी की जा रही है। ऐसे कई ठग जिले में सक्रिय हैं जो मकान के नाम पर ग्रामीणों से पैसे लेते हैं।यह रोजाना किसी न किसी को अपना शिकार बनाने की कोशिश करते रहते हैं।शुक्रवार को सुबह 10 बजे दो अधेड़ ब्यक्ति अहमद के मकान पर बाइक से पहुंचे।अहमद घर पर नही थे उनकी शादी शुदा पुत्री शन्नो घर पर मिली।उससे बताया कि हम लोग विकास खण्ड कौड़ीराम से आये है।

राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (NADCP) के अंतर्गत निःशुल्क टीका लगाया गया

महराजगंज। जिलाधिकारी डा0 उज्ज्वल कुमार की अध्यक्षता में राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण व टीकाकरण के सघन अनुश्रवण की डिस्ट्रिक्ट मानिटरिंग की बैठक में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गयी थी पशु बचाये खुशहाली लाये के तहत टीकाकरण निःशुल्क कराये जाने व्यवस्था के बारे में बताया गया था एम टी टीकाकरण,खुरपका-मुहपका रोग से बचाव,वैक्सीनेटर एंव हेल्पर का चयन, टीकाकरण व इनाफ पोटर्ल पर अकंन तथा वैक्शीन का रख रखाव की समीक्षा की गयी । उसी योजना के अंतर्गत आज दिन शुक्रवार को दिन में 11 बजे फरेंदा ब्लॉक के जोगियाबारी ग्राम सभा मे फरेंदा के पशु डॉक्टर राम शंकर सिंह के नेतृत्व में पशुओं को राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (NADCP) विभाग के माध्यम से टीका अभियान चलाया गया जिसमे फार्मासिस्ट कलामुद्दीन अंसारी,बैक्सीनेटर प्रदीप कुमार ,आशिष कुमार प्रवीण कुमार जगदीश प्रसाद राहुल हेल्पर संदीप उपस्थित रहे जिसमे डॉक्टर रमाशंकर सिंह ने किसानो को बताया कि गोबंशीय पालन हेतु सी सी के माध्यम से बढाने हेतु गोष्ठीया कर पशु पालन के लाभो के बारे में बताये । पशु पालन से दूध तथा गोबर से जैविक खाद व खाद से अच्छी पैदावार एंव पौष्टिकता के बारे जानकारी प्राप्त कराया

प्रदेश में 28,268 कोरोना के एक्टिव मामले

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश के अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने कहा कि प्रदेश में कल एक दिन में कुल 1,52,994 सैम्पल की जांच की गयी। प्रदेश में अब तक कुल 1,37,56,000 सैम्पल की जांच की गयी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पिछले 24 घंटे में कोरोना से संक्रमित 2298 नये मामले आये हैं। प्रदेश में विगत 24 घंटे में 3025 मरीज उपचारित होकर डिस्चार्ज हुए है। प्रदेश में अब तक कुल 4,30,962 व्यक्ति उपचारित होकर डिस्चार्ज किये गये हैं। प्रदेश में रिकवरी का प्रतिशत अब बढ़कर 92.47 प्रतिशत हो गया है। प्रदेश में 28,268 कोरोना के एक्टिव मामले हैं। एक्टिव मामलो में निरन्तर गिरावट हो रही है। उन्होंने बताया कि अब तक कुल 2,61,520 लोग होम आइसोलेशन की सुविधा प्राप्त करते हुए 2,48,592 लोगों ने अपने होम आइसोलेशन की अवधि पूर्ण कर ली है। उन्होंने बताया कि निजी चिकित्सालयों में 2418 लोग ईलाज करा रहे है। प्रदेश में सर्विलांस टीम के माध्यम से 1,46,015 क्षेत्रों में 4,30,880 टीम दिवस के माध्यम से 2,76,55,197 घरों के 13,61,76,130 जनसंख्या का सर्वेक्षण किया गया है। उन्होंने बताया कि चिकित्सकीय उपचार के लिए ई-संजीवनी पोर्टल शुरू किया गया है। ई-संजीवनी के माध्यम से 1717 लोगों ने चिकित्सकीय परामर्श लिया। अब तक कुल 1,58,463 लोगों ने ई-संजीवनी पोर्टल पर चिकित्सकीय परामर्श लिया। उन्होंने बताया कि सरकारी संस्थान, प्रमुख कार्यालय, प्रतिष्ठान, औद्योगिक इकाईयों में 65,370 कोविड हेल्प डेस्क स्थापित किये गये। इसके माध्यम से 9,20,370 व्यक्तियों में लक्षणात्मक चिन्हांकन किया गया। श्री प्रसाद ने बताया कि पिछले वर्ष 22 अक्टूबर, 2019 तक डायरिया के 790 केस थे जिसमें 16 लोगों की मृत्यु हुयी थी, जबकि इस वर्ष इसी अवधि में 22 अक्टूबर 2020 तक डायरिया के 40 केस थे जिसमें कोई भी मृत्यु नहीं हुयी। पिछले वर्ष 22 अक्टूबर, 2019 तक खसरा के 243 केस थे जिसमें 02 लोगों की मृत्यु हुयी थी, जबकि इस वर्ष इसी अवधि में 22 अक्टूबर 2020 तक खसरा के 01 केस थे जिसमें कोई भी मृत्यु नहीं हुयी। पिछले वर्ष 22 अक्टूबर, 2019 तक चिकनगुनिया के 503 केस थे जिसमें 02 लोगों की मृत्यु हुयी थी, जबकि इस वर्ष इसी अवधि में 22 अक्टूबर 2020 तक चिकनगुनिया के 12 केस थे जिसमें कोई भी मृत्यु नहीं हुयी। पिछले वर्ष 22 अक्टूबर, 2019 तक एच-1, एन-1 के 2082 केस थे जिसमें 34 लोगों की मृत्यु हुयी थी।

भाजपा का कोरोना की मुफ्त वैक्सीन का वादा सिर्फ बिहार के लिए क्यों: अखिलेश

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के घोषणापत्र में मुफ्त कोरोना वैक्सीन के वादे को लेकर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि ऐसी घोषणा उत्तर प्रदेश व अन्य राज्यों में क्यों नहीं की गई है? अखिलेश ने ट्वीट के माध्यम से भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि आज देश की सत्ताधारी भाजपा बिहार के अपने घोषणापत्र में कह रही है कि वो बिहार के लोगों को कोरोना का टीका मुफ्त लगवाएगी। ऐसी घोषणा उप्र व अन्य राज्यों के लिए क्यों नहीं की गई? ऐसी अवसरवादी संकीर्ण राजनीति का जवाब उत्तर प्रदेश व देश की जनता आगामी चुनावों में भाजपा को देगी। सपा प्रमुख ने एक अन्य ट्वीट में कहा, बिहार के चुनाव में कश्मीर-कथा बांचने वाले स्टार प्रचारक जी से कोरोना की मार झेलने वाला अपना उत्तर प्रदेश तो संभल नहीं रहा है और दुनियाभर को वो सीख दे रहे हैं। आर्थिक बदहाली, बेरोजगारी और बढ़ती महंगाई से 365 दिनों त्रस्त रहने वाली जनता को ये 370 के फायदे गिना रहे हैं।

योगी ने माध्यमिक विद्यालयों के 3317 सहायक शिक्षकों को वितरित किया नियुक्ति पत्र

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को राजकीय माध्यमिक विद्यालयो में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग से चयनित 3,317 सहायक अध्यापकों को नियुक्ति पत्र वितरित किये। वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये एलटी ग्रेड के चयनित शिक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरित किये गये जबकि श्री योगी ने पांच शिक्षकों को प्रतीकात्मक रूप से नियुक्ति पत्र दिया। वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण शिक्षकों को आनलाइन नियुक्ति पत्र वितरित किये गये। शिक्षकों को मेरिट और विकल्प के आधार पर स्कूल आवंटित किये गये है।

चोर को पकड़ने के लिए 100 मीटर तक बाइक से घिसटते रहे सिपाही, होंगे सम्मानित

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश पुलिस के अनोखे किस्से आएदिन सुर्खियों में बने रहते हैं। ये कभी बदनामी का चादर ओढ़कर आते हैं तो कभी लगे कलंक को धोते हुए। ताजा मामला प्रदेश लखनऊ के इंदिरानगर का है। जहां स्पोर्टबाइक चोरी कर रहे भाग रहे बदमाश को पॉलीगन बाइक पर तैनात सिपाही अनुराग पाण्डेय और नितेश सरोज ने चोरों को पकड़ लिया। बता दें कि पुलिस को देख चोर ने बाइक की रफ्तार बढ़ा दी तो भी सिपाहियों ने उसे छोड़ा नहीं और दोनों चोर को पकड़े हुए करीब 100 मीटर दूर तक घिसटते चले। सिपाहियों की बहादूरी रंग लाई और चोर धरे गए। बता दें कि यह पूरी घटना वहां लगे एक सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई है।

जौनपुर के डीआईओएस का कोरोना से मौत

लखनऊ, संवाददाता। जौनपुर के जिला विद्यालय निरीक्षक प्रवीण मणि त्रिपाठी का आकस्मिक निधन हो गया। डी आई ओ एस श्री त्रिपाठी का कोरोना संक्रमित होने के कारण वाराणसी के अपेक्स हॉस्पिटल में चल रहा था इलाज, दूसरी जांच रिपोर्ट आ गई थी निगेटिव,उसके बाद भी आज अचानक निधन हो गया। श्री त्रिपाठी गोरखपुर के मूल निवासी थे और फरवरी 2020 से जौनपुर में डीआईओएस केपद पर कार्यरत थे। इसके अलावा श्री त्रिपाठी बाराबंकी और लखनऊ समेत कई जिलो में बेसिक शिक्षा अधिकारी के पद पर रह चुके थे।

जौनपुर के डीआईओएस का कोरोना से मौत

लखनऊ, संवाददाता। उ.प्र. जिला मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन के अध्यक्ष पं. हरि ओम शर्मा 'हरि' की अध्यक्षता में आज एसोसिएशन के प्रधान कार्यालय 1, कैन्ट रोड, कैसरबाग, लखनऊ में कार्यकारणी सदस्यों की मीटिंग आयोजित हुई जिसमें कार्यकारिणी के सभी सदस्यों ने वरिष्ठ पत्रकार सुनील दुबे के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया एवं दिवंगत आत्मा की शान्ति की कामना की। इस अवसर पर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष पं. हरि ओम शर्मा कहा कि दुख की इस घड़ी में एसोसिएशन पूरी तरह से श्री दुबे के परिवारीजनों व उनके शुभचिन्तको के साथ है। श्री शर्मा ने कहा कि श्री दुबे निर्भीक व निष्पक्ष पत्रकारिता के स्तम्भ थे और उनका निधन पत्रकारिता जगत की अपूरणीय क्षति है। श्री दुबे वास्तव में जन सेवक थे, जिन्होंने अपनी कलम का उपयोग सदैव गरीबों व वंचितों को उनका हक दिलाने के लिए किया, साथ ही, व्यक्तिगत रूप से भी बहुत सौम्य व मिलनसार व्यक्तित्व थे।

हिन्दू महासभा ने की दस जिलाध्यक्षों की घोषणा

लखनऊ, संवाददाता। अखिल भारत हिन्दू महासभा, उत्तर प्रदेश ने आज यहां दस जिलों के अध्यक्षों की घोषणा कर दी। इसके अलावा पार्टी के विधिक प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश का अध्यक्ष शैलेन्द्र श्रीवास्तव को बनाया गया है। हिन्दू महासभा के प्रदेष अध्यक्ष ऋशि त्रिवेदी द्वारा मनोनीत किये गये जिलाध्यक्षों में संदीप कुमार शुक्ला को प्रयागराज, आकाश कुमार को बांदा, देव आनन्द पाण्डे को संत कबीर नगर, मनोज कुमार सिंह को सिद्धार्थनगर, राहुल सिंह को आगरा, मनोज कुमार शुक्ला को मिर्जापुर, कमलेश कुमार वर्मा को लखीमपुर खीरी, सुरेन्द्र मोहन को आजमगढ़, मानवेन्द्र शुक्ला को बस्ती और प्रवीण पाण्डेय को कुशीनगर षामिल है। इन जिलाध्यक्षों की घोषणा करने के साथ ही प्रदेश अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी ने विश्वास जताते हुये निर्देश दिये है कि जल्द से जल्द सभी जिलाध्यक्ष अपनी कार्यकारिणी का गठन जिलें पार्टी की गतिविधियों में तेजी लाये।

ट्रांसफारमर इंडस्ट्रीज भुगतान न होने के कारण बन्दी की कगार पर

लखनऊ, संवाददाता। विधुत अवसंरचना किसी भी राज्य के विकास का आधार होती है। भारत सरकार भी इस सेक्टर की तरफ विशेष ध्यान देती है और राज्य में विधुत संरचना को सुचारूप से चलाने के लिए विभिन्न प्रकार की उप इकाईयों का निर्माण करती है जिसके द्वारा प्रदेश में रोजगार की बृद्धि होती है। ट्रांसफारमर मरम्मतकर्ताओं के लम्बित भुगतान के बिन्दु पर आ रही समस्याओं पर उत्तर प्रदेश ट्रांसफारमर इंड्ट्रीज फोरम, इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, अवध चेम्बर ऑफ कामर्स एण्ड इण्डट्रीज तथा लघु उद्योग भारतीय के संयुक्त तत्वाधान में आज प्रेस वार्ता आयोजित की गयी जिसमें इस उद्योग पर आ रही आर्थिक समस्या की तरफ सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए तथा इसके निराकरण हेतु सरकार से अनुरोध करने के लिए मीडिया की सहायता ली जा रही है। चेतन भल्ला के द्वारा अवगत कराया गया है कि 147 ट्रांसफारमर मरम्मतकर्ताओं का समूह जो कि पिछले 50 वर्षो से प्रदेश के विकास में कार्यरत है, आज भुगतान न होने के कारण बन्दी की कगार पर है, इन सभी इकाईयों का लगभग 170 करोड़ रूपये का भुगतान नवम्बर 2018 से उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन के निगमों में लम्बित है, इनका जी0एस0टी0, लेबर, मिटेरियल तथा विधुत बिलो का भुगतान भी नहीं हो पा रहा है और इनके बैंक खाते एन0पी0ए0 होने की कगार पर है, तथा इनकी इकाईयों पर ताले लगने की नौबत आ गयी है, और इसमें कार्य करने वाले 15000 से ज्यादा परिवार बेरोजगारी की कगार पर आ गये है। संजीव अग्रवाल ने अपनी बात रखते हुए कहाँ कि चल निधि शून्य होने के परिणाम स्वरूप लगभग 50 ईकाइयाँ बन्द हो चुकी है और जो ईकाइयाँ किसी प्रकार से अपने को चला पा रही है उनके पास कोई कार्य नहीं है, और उन्होनें यह भी कहाँ कि इस प्रेस वार्ता के माध्यम से सरकार का ध्यान इस समस्या की ओर आकर्षित कराना है।

50 वर्ष से अधिक उम्र के पुलिसकर्मियों को जबरन रिटायर्ड मामले में फिर डीजीपी मुख्यालय ने मांगी सूची

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) मुख्यालय ने पुलिस विभाग के सभी विभागाध्यक्षों को पत्र भेजकर सरकारी सेवा में दक्षता सुनिश्चित करने के लिए अनिवार्य सेवानिवृत्त के लिए छांटे गये पुलिसकर्मियों की सूची मांगी है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 50 वर्ष की उम्रपार कर चुके अक्षम सरकारी कर्मियों को जबरन सेवानिवृत्त किये जाने के आदेश दिये थे। बता दें कि इसके लिए कुछ माह पहले मुख्य सचिव राजेंद्र कुमार तिवारी ने शासनादेश भी जारी किया था। इसके अनुपालन में पुलिस महकमे में अब तेजी दिखाई पड़ रही है। डीजीपी मुख्यालय ने गत 21 अक्टूबर को पुलिस विभाग के सभी विभागाध्यक्षों को पत्र भेजकर सरकारी सेवा में दक्षता सुनिश्चित करने के लिए अनिवार्य सेवानिवृत्ति के लिए छांटे गये पुलिसकर्मियों की सूची मांगी है।

यूपी के हर थाने में महिला हेल्प डेस्क,मुख्यमंत्री ने की शुरुआत

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में महिला और बालिकाओं की सुरक्षा मिशन शक्ति की शुरूआत करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को प्रदेश के 1,535 थानों में महिला हेल्प डेस्क का शुभारंभ किया। इस दौरान डीजीपी हितेश चंद्र अवस्थी ने महिला अपराध पर अब तक हुई कार्रवाई का ब्यौरा पेश किया। योगी ने लखनऊ, नोएडा कमिश्नरेट के अफसरों से हेल्प डेस्क की कार्यशैली को समझा। इन थानों में महिलाओं से संबंधित समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई की व्यवस्था होगी। तय समय सीमा के भीतर फाइनल रिपोर्ट भी लगेगी। महिला और बालिकाओं की समस्या के निदान व सुरक्षा के संबंध में अलग से महिला कांस्टेबल और कक्ष की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश के 1,535 थानों में महिला हेल्प डेस्क की स्थापना से मिशन शक्ति अभियान को नई ऊर्जा मिली है। मिशन शक्ति अभियान के शुरू हुए एक सप्ताह हो गए हैं। इन सात दिनों में समाज में व्यापक परिवर्तन देखने को मिला है।योगी ने कहा कि 1535 थानों में महिला हेल्प डेस्क सभी बुनियादी सुविधाओं के साथ एक प्रशिक्षित महिला कर्मचारी की नियुक्ति सुनिश्चित की जाए। वास्तविक पीड़ित को त्वरित न्याय मिले यह हमारी कोशिश होनी चाहिए। हमें इस अभियान को जनसहभागिता के माध्यम से सफल बनाना होगा, क्योंकि इसके बिना इसकी सफलता नहीं हो सकती है।उन्होंने कहा कि सरकार सभी बेटियों को सुरक्षा और सम्मान प्रदान करेगी। इसके लिए जो भी कदम उठाने पड़ेंगे वह उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पुलिस के साथ अन्य विभाग इन सात दिनों में मिशन शक्ति अभियान के लिए क्या-क्या किया है, इसकी समीक्षा की जानी चाहिए, क्योंकि यह मिशन एकांगी नहीं है।मुख्यमंत्री योगी को लखनऊ के पुलिस कमिश्नर सुजीत पांडेय ने अवगत कराया कि कमिश्नरेट के सभी थाना क्षेत्रों में हेल्प डेस्क स्थापित कर दी गई है। हर जगह दो-दो महिला पुलिस कर्मियों को तैनाती की गई है। महिला अफसरों को शिकायतों के निस्तारण के लिए मॉनिटरिंग में लगाया गया है। इसके साथ ही थानेवार 15 केस की समीक्षा कर कार्रवाई की जा रही है। एनजीओ व अन्य संगठनों का भी महिला में जागरूकता व उन्हें स्वावलंबी बनाने के लिए सहयोग लिया जा रहा है।

माता की चौकी में झूमे श्रोता भक्त

लखनऊ, संवाददाता। उड़ान संस्था के तत्वावधान मे महा सप्तमी नवरात्रि के अवसर पर में आयोजित माता की चौकी में देवी भजनों ने भक्तों को भगवती देवी दुर्गा की भक्ति के सागर में आकण्ठ डूबोया। संस्था से जुड़ी महिलाओं ने पूरा दिन जगत जननी जगत कल्याणी माता रानी की महिमा का गुणगान भजनों के माध्यम से किया। भजन शुरू करने से पहले उड़ान की संस्थापक सरिता सिंह ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि सच्चे मन से माता रानी की भक्ति करने पर माता रानी अपने भक्तों के सभी कष्ट हरकर उनके घर में सुख, समृद्वि खुशियों के भंडार भर देती है। इस अवसर पर सरिता सिंह, गिरीश कुमारी, आभा श्रीवास्तव, प्रियम पांडे, सविता कनौजिया, भारती सिंह, नीलम शुक्ला आदि अन्य महिलाओं ने प्यारा सजा है दरबार भवानी, आई शेर पर सवार होकर माता रानी, मेरे घर आई है मैया जैसे अन्य भजनों को सुना कर श्रोता भक्तों को भगवती देवी दुर्गा की भक्ति के सागर में आकंठ डूबोया। इस मौके पर माता रानी के मधुर भजनों पर रिन्कू सिंह, प्रतिभा शाह, प्रतिमा, शिल्पी, शर्मीला, रचना वर्मा, मोना वर्मा, रोली जयसवाल, सुमन यादव,अर्चना यादव, बीनू, नीतू, सुमन मनराल, उषा यादव, आस्था गरिमा, अदिती और नव्या भावपूर्ण अभिनय युक्त नृत्य प्रस्तुत कर माता दुर्गा के चरणों में अपनी अगाध श्रद्धा अर्पित की।

सभी को दुर्गा पूजा, नवरात्रि एवं दशहरा की हार्दिक बधाईः प्रमोद तिवारी

लखनऊ, संवाददाता। कांग्रेस वर्किंग कमेटी यब्ब्द्ध के सदस्य तथा आउट रीच कमेटी, उत्तर प्रदेश के प्रभारी प्रमोद तिवारी जी विभिन्न ''दुर्गा पण्डालों'' पर जाकर पूजा अर्चना की, तथा भारत देश के सुख, शांति तथा समृद्धि की कामना की, और कोरोना महामारी से मुक्ति के लिये ''देवी माँ'' से याचना की ।

श्री तिवारी ने कहा कि मुझे इस बात का दुःख एवं पीड़ा है कि दुर्गा प्रतिमाओं का विसजर्न पहले जिस भव्यता और पवित्रता के साथ कई सालों से होता था वह भारतीय जनतापार्टी के ''राज'' में बन्द हुआ है। कोई वैकल्पिक व्यवस्था न होने के कारण जब कभी दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन अपेक्षाकृत गन्दे पानी में विसर्जित होते हुये देखता हूँ तो पीड़ा होती है। आज जब भारतीय जनतापार्टी सरकार ने मदिरालाय एवं पिक्चर हॉल आदि खोल दिये हैं तो आखिर दुर्गा प्रतिमा की स्थापना पर इस बार प्रतिबन्ध क्यों लगाया गया ? जनता के सामने भारतीय जनतापार्टी का दोहरा चरित्र सामने आ गया है चूँकि पश्चिम बंगाल में चुनाव होने वाले हैं तो वहाँ माननीय प्रधानमंत्री जी दुर्गा पण्डालों में जाकर सम्बोधित कर रहे हैं, और उसी भारत देश के राज्य उत्तर प्रदेश में दुर्गा प्रतिमाओं की स्थापना के लिये केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा अनुमति नहीं दी गयी,श्री तिवारी ने कहा है कि तमाम दुर्गा प्रतिमाओं को स्थापित न होते देखकर मुझे दुःख पहुँचा है, जबकि सालों से दुर्गा प्रतिमायें स्थापित होती आ रही थी और दुर्गा प्रतिमाओं के स्थापना की वर्षो पुरानी परम्परा बन गयी थी। यह दोहरा चरित्र, दोहरा आचरण और दोहरा व्यवहार क्यों ? क्या इसलिये कि पश्चिम बंगाल में चुनाव होने वाले हैं ? और उत्तर प्रदेश में एक साल बाद चुनाव होना है क्या इसलिये ऐसा किया गया ? प्राचीन काल से स्थापित होने वाले दुर्गा पण्डालों की स्थापना को कोविड-19 के नियमों का पालन करते हुये पूर्ववत बनाये रखा जाता तो बेहतर होता । श्री तिवारी ने भारतीय जनतापार्टी की इस घोषणा पर सवाल खड़ा किया है कि कोरोना वैक्सीन बनने पर बिहारियों को फ्री्धिनःशुल्क में कोरोना वैक्सीन दी जायेगी। क्या यह एक और जुमलेबाजी है ? मैं, माननीय प्रधानमंत्री जी से पूँछना चाहता हूँ कि यदि बिहारियो को ''कोरोना'' से बचाने के लिये फ्री्धिनःशुलक वैक्सीन दी जा रही है तो फिर उत्तर प्रदेष के निवासियों को क्यों नहीं ? या फिर देष के अन्य हिस्सों में क्यों नहीं ? आखिर कोरोना महामारी से बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, महाराष्ट्र, केरल और तमिलनाडु अत्यंत प्रभावित है, इन्हें फ्री, निःशुल्क वैक्सीन क्यों नहीं ? या फिर यह जनता के साथ एक और विश्वासघात और धोखा है, तथा एक और ''चुनावी जुमला'' है। बिहार में चुनाव हो रहे हैं तो वहाँ फ्री में वैक्सीन, और उत्तर प्रदेश में नहीं हो रहे हैं तो उन्हें फ्री वैक्सीन का वायदा भी नहीं-यह दोहरा चरित्र एवं आचरण क्यों? यह उत्तर प्रदेश के लोगों के साथ धोखा हे।

हुजूर पाक, सहाबाक्राम ने पूरी दुनिया को अमन व सलामती का पैगाम दियाः खालिद रशीद

लखनऊ, संवाददाता। इस्लामिक सेन्टर आफइण्डिया फरंगी महल के अर्न्तगत दारूल उलूम निजामिया फरंगी महल की जामा मस्जिद ईदगाह लखनऊ में 12 दिवसीय ''सीरतुन्नबी व सीरत-ए-सहाबा रजि0 और तहफ्फुज-ए-शरीअत'' के जलसे कोविड-19 के प्रोटोकॉल के कारण किसी भी तरह की भीड़ जमा न करने की वजह से यह 12 दिवसीय जलसे ऑन लाइन ही रिले किये जा रहे हैं। पॉचवें जलसे को सम्बोधित करते हुए इमाम ईदगाह व काजी-ए-शहर लखनऊ मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली चेयरमैन इस्लामिक सेन्टर आफइण्डिया ने कहा कि नबी पाक सल्ल0 की जिन्दगी तमाम इंसानों के लिए नमूना है। आप सल्ल0 सारे जहानों के लिए रहमत बनाकर भेजे गए। आप सल्ल0 ने पूरी दुनिया को तौहीद व रिसालत, अमन व सलामती, रहमत व मुहब्बत, रवादारी, हमदर्दी और एकता का पैगाम दिया। सहाबाक्राम रजि0 की जमाअत इस्लाम से पहले जिहालत व गुमराही की जिन्दगी गुजार रही थी। आप सल्ल0 की तरबियत से वह दुनिया के लिए उदाहरण वाली जमाअत बन गयी। मौलाना फरंगी महली ने कहा कि हम नबी पाक सल्ल0 और नबी पाक सल्ल0 के सहाबाक्राम से इश्क व मुहब्बत रखते हैं और यही एक मोमिन की पहचान है। उन्होने कहा कि आज जरूरत इस बात की है कि हम अपने रहन सहन में बदलाव करें और नबी पाक सल्ल0 की जिन्दगी को अपने लिए उदाहरण बनायें। आज पूरी दुनिया एक बार फिर अंधकार व गुमराही में डूबी हुई है। हर व्यक्ति अपने फायदे के पीछे भाग रहा है। हम सब मिल कर अहद (वादा) करें कि अपनी जिन्दगी को रसूल पाक सल्ल0 के जीवन की रौशनी में गुजारेगें।

राज्यसभा चुनाव में 10वीं सीट के लिए जोर आजमाइश करेगी बसपा

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में अगले माह नौ नवंबर को राज्यसभा की 10 सीटों पर होने वाले द्विवार्षिक चुनाव में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) दसवीं सीट पर जोर-आजमाइश के लिए तैयार दिख रही है। हालांकि, उसके पास चुनाव जीतने के लिए अपेक्षित संख्या बल का अभाव है। सूत्रों के मुताबिक बसपा ने अपने राष्ट्रीय समन्वयक रामजी गौतम को चुनाव मैदान में उतारने का फैसला किया है जो सोमवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल कर सकते हैं। बसपा के एक नेता ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि रामजी गौतम ने दस विधायकों के हस्ताक्षर के जरिये अपना नामांकन पत्र प्राप्त कर लिया है और सोमवार को उसे दाखिल करेंगे। राज्यसभा के चुनाव में संख्या बल के आधार पर आठ सीटों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की एकतरफा जीत दिख रही है जबकि एक सीट पर आराम से समाजवादी पार्टी (सपा)को जीत मिल जाएगी। कांग्रेस और सुहेलेदेव भारतीय समाज पार्टी जैसे दल मिलकर चुनाव जीतने की स्थिति में नहीं हैं। बसपा नेता का कहना है कि अगर सभी मिलकर भाजपा को रोकना चाहते हैं तो वे हमारा समर्थन करेंगे। हालांकि, इस संदर्भ में अभी तक उनसे हमारी कोई चर्चा नहीं हुई है। इस बीच विधानसभा सचिवालय ने पुष्टि की कि रामजी गौतम के नाम पर बसपा ने नामांकन पत्र लिया है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि उत्तर प्रदेश विधानसभा में मौजूदा समय में भाजपा के 304 सदस्य हैं जबकि भाजपा को समर्थन दे रहा अपना दल (सोनेलाल) के पास नौ विधायक हैं। भाजपा आठ सीट आसानी से जीत सकती है जबकि नौवीं पर भी उसकी नजर टिकी है। विधानसभा में मुख्य विपक्षी पार्टी सपा अपने 48 सदस्यों की बदौलत एक सीट आसानी से जीत सकती है जबकि उसके बचे हुए वोट भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस बीच बुधवार को सपा के राष्ट्रीय महासचिव प्रोफेसर राम गोपाल यादव ने पार्टी उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन पत्र भी दाखिल कर दिया। विश्लेषकों का कहना है कि इससे साफ है कि अब सपा सिर्फ एक सीट पर ही लड़ेगी और अपने बचे वोटों से वह कोई नया समीकरण बना सकती है। उत्तर प्रदेश कोटे से राज्यसभा में 25 नवंबर को रिक्त होने वाली दस सीटों में इस समय भाजपा के पास तीन, सपा के पास चार, बसपा के पास दो और कांग्रेस के पास एक सीट है। विधानसभा सचिवालय के एक अधिकारी के अनुसार 403 सदस्यों वाले सदन में मौजूदा समय में 395 सदस्य हैं। राज्यसभा सीट जीतने के लिए एक उम्मीदवार को 37 विधायकों के मतों को प्राप्त करना जरूरी है। सदन में भाजपा के 304 और सपा के 48 सदस्यों के अलावा बसपा के 18, अपना दल (एस) के नौ, कांग्रेस के सात, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के चार और अन्य छोटे दलों समेत पांच निर्दलीय विधायक हैं।

सब्जियों की बढ़ती कीमतों ने बढ़ाई टेंशन, गरीबों की थाली से दूर हो रहा प्याज

लखनऊ, संवाददाता। सब्जियों की बढ़ती कीमतों ने आम नागरिक की चिंता बढ़ा दी है। आलू, प्याज के दामा तेजी से बढ़ रही है जिससे मजदूर एवं आम नागारिकको काफी संकटो का सामना करना पड़ रहा है। मजदूर प्याज, आलू के भाव को पूछकर अपने पैर पीछे खीच ले रहा है। बता दें कि सब्जी खरीदने के साथ धनियां मिर्च फ्री में मिल जाता था परंतु महंगी सब्जी होने के कारण लोगों को इसके लिए भी पैसा देना पड़ता है। वहीं जब यूएनएस ने दुकानदार से बात की तो उन्होंने बताया कि आगे से ही सब्जियाँ महँगी आ रही है। बताया जा रहा है कि नासिक में प्याज की फसल ज्यादा बरसात से ज्यादा नुकसान हो गई जिससे प्याज महँगी हो गई है। वहीं उत्तर प्रदेश में आलू की बुआई का काम भी तेजी से चल रहा है। ऐसे में मना जा रहा है कि आलू की बुआई के बाद आलू के दामों में कुछ गिरावट हो सकती है। आलू 50 रुपए किलो, प्याज 80 रुपए किलो, हरी मिर्च 80-100 रुपए किलो, हरा धनिया 250-300, फूल गोभी 60-80, तोरई 50, पत्ता गोभी 40, शिमला मिर्च 80, टमाटर 40, सेम की फली 40, अरबी 30, खीरा 30, नींबू 40, लौकी 30, भिंडी 30, बैंगन 30, आलू 35 रुपए किलो। ऐसे में मजदूर के लिए काफी संकटों का सामना करना पड़ रहा है। जनता की मांग है कि जल्द ही सरकार इन बढ़े दोमों पर लगाम लगा कर जमाखोरी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर बाजार भाव को नियंत्रण में लाएगी।

'इण्टरनेशनल मीडिया कान्फ्रेन्स' का ऑनलाइन आयोजन 30 अक्टूबर को

लखनऊ, संवाददाता। सिटी मोन्टेसरी स्कूल द्वारा 12वें अन्तर्राष्ट्रीय मीडिया सम्मेलन का ऑनलाइन आयोजन आगामी 30 अक्टूबर 2020, शुक्रवार को किया जा रहा है। यह सम्मेलन 'इन्श्योरिंग जेण्डर जस्टिस' अर्थात लैंगिक न्याय सुनिश्चित करने के महत्वपूर्ण व सम-सामयिक विषय पर आयोजित है, जिसमें देश-विदेश के प्रख्यात मीडिया प्रमुख, पत्रकार, मनोवैज्ञानिक, शिक्षाविद् आदि समाज में लैंगिक समानता स्थापित करने, लैंगिक न्याय सुनिश्चित करने एवं महिलाओं पर होने वाले अपराध व हिंसा पर अंकुश लगाने पर अपने सारगर्भित विचार प्रस्तुत करेंगे तथापि लैंगिक स्तर पर व्याप्त सामाजिक विसंगतियों के निराकरण पर मीडिया, समाज तथा स्कूल की भूमिका को उजागर करेंगे। यह जानकारी सी.एम.एस. के मुख्य जन-सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने दी है।

उत्तर प्रदेश पुलिस महिलाओं की सुरक्षा के लिये कृतसंकल्प हैः डॉ0 ख्याति गर्ग

लखनऊ, संवाददाता। शिया पी.जी. कालेज द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत आज पांचवे दिन विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसमें ''यू0पी0 पुलिस द्वारा वीमने हेल्पलाइन नम्बर और महिलाओं की सुरक्षा के लिये बनाये गये विभिन्न कानूनों के बारे में जागरूकता'' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ0 ख्याति गर्ग (आई0पी0एस0), डी0सी0पी0 यातायात, लखनऊ मौजूद रही और उन्होंने कहा कि 'उत्तर प्रदेश पुलिस महिलाओं की सुरक्षा के लिये कृतसंकल्प है। साथ ही साथ उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिला सुरक्षा के लिये चलाये जा रहे विभिन्न हेल्पलाइन नम्बर व विभिन्न कानूनों के बारें मे बताय और उन्होंने यह भी बताया कि महिलायें किस प्रकार साइबर अपराध से बचें'। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 वसी रजा, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, राजनीति शास्त्र ने किया और कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम आने वाले समय में भी लगातार आयोजित किये जाते रहेंगे। ई-पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन कल्चरल कमेटी की कन्वीनर डॉ0 जर्रीन जेहरा रिजवी के द्वारा ऑनलाइन माध्यम से कराया गया जिसमें सभी विभागों की छात्र,छात्राओं ने प्रतिभाग किया। मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत महिला सुरक्षा सम्मान व स्वावलम्बन को ध्यान में रखते हुये यह सभी प्रतियोगितायें करायी गयी। डॉ0 जर्रीन जेहरा रिजवी ने कहा कि महिला सुरक्षा के लिये हमें छात्र व छात्राओं दोनों में जागरूकता को बढ़ाना होगा। इस प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन समय-समय पर करना होगा जिससे छात्र, छात्रायें अपने अन्दर की भावनाओं को पोस्टर, नाटक, स्लोगन और फोटोग्राफी के माध्यम से अभिव्यक्त कर पायेंगे। ई-पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता की आयोजन कल्चरल कमेटी की कन्वीनर, डॉ0 जर्रीन जेहरा रिजवी के द्वारा की गयी। उक्त कार्यक्रमों में गूगल मीट और फेसबुक लाइव के माध्यम से करीब 209 छात्राओं, 70 से अधिक प्राध्यापकों और लगभग 31 अभिभावकों ने प्रतिभाग किया। पूर्व की भाँति आज भी महाविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न ऑनलाइन कक्षाओं में शिक्षकों द्वारा छात्रों को ''बालिका सुरक्षा शपथ'' दिलायी गयी। वेबिनार का प्रारम्भ डॉ0 एजाज अब्बास द्वारा तिलावते कुरान से किया गया। मौलाना यासूब अब्बास, सिक्रेटरी, मजलिसे उलेमा ने अपने संबोधन में कहा कि महिला सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषय को केवल कानून के भरोसे नही छोड़ा सकता। वेबिनार में प्रबंधक सैयद अब्बास मुर्तजा शम्सी, प्राचार्य डॉ. मोहम्मद मियां, डॉ. एम.एम. अबु तैयब, डॉ0 एजाज अब्बास, डॉ0 प्रदीप शर्मा, डॉ0 राहुल पाण्डेय, डॉ0 वसी रजा, डॉ0 वहीद आलम, डॉ0 अरमान तकवी, डॉ. नुजहत हुसैन, डॉ0 राबिन वर्मा आदि मौजूद रहे। पूर्व की भाँति शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा चलाये जा रहे ऑनलाइन सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग के अंतर्गत ताइक्कांडो में ब्लैक बेल्ट प्रशिक्षक सोनू भारती और रिंकू कुमारी ने छात्राओं को मार्शल आर्ट के माध्यम से मुसीबत में सुरक्षा के गुर सिखाये।

योगी सरकार में नहीं महफूज है बहन-बेटियांः अजय कुमार लल्लू

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने प्रदेश में 7 सीटों पर चल रहे उपचुनाव में अपनी पूरी ताकत लगा दी है। इसी क्रम में प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू, प्रमोद तिवारी, दीपक सिंह, आराधना मिश्रा मोना, नसीमउद्दीन सिद्दीकी, हरेन्द्र मालिक, बाल कृष्ण पटेल, हरेन्द्र अग्रवाल, प्रमोद पाण्डेय, आदि सारे बड़े नेता अलग अलग विधानसभा क्षेत्रों में लगातार दौरे पर है। इस क्रम में आज प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने नौगावां सादात से कांग्रेस प्रत्याशी डॉ कमलेश सिंह के पक्ष दो जनसभाओं को संबोधित किया। उन्होंने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि मौजूदा सरकार में महंगाई सबसे चरम पर है। कोरोना काल के चलते जब लाखो-लोगो ने अपनी नौकरी गँवा दिया हो, उद्योग-धंधे चौपट हो गए हो, लोगो की आमदनी घट गयी हो। ऐसे में 40 से 45 रुपये किलो आलू और 90 से 100 रुपये किलो में प्याज खरीदने में मजबूर हो रही है जनता जिसके चलते आम आदमी का जीवन यापन मुश्किल हो चला है।

पाकिस्तान में गृहयुद्ध के हालात बन रहे

पाकिस्तान के हालात दिन ब दिन खराब होते जा रहे हैं। लगने लगा है कि वहां गृह युद्ध जैसी स्थिति पैदा होने वाली है। 18 अक्टूबर के दिन सेना ने कराची पुलिस के आईजी मुश्ताक महार को अगवा करके जिस तरह से परेशान किया उसके बाद तो ऐसा लगा कि सेना और पुलिस आमने-सामने आ गए हैं। कराची पुलिस ने आरोप लगाया कि पाकिस्तानी फौज के अफ़सरों ने उनके आईजी को गिरफ्तार किया और पता नहीं कहां ले गए। बाद में पता चला कि उनके ऊपर तरह-तरह के दबाव डाले गए कि कराची शहर में प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ होने वाली रैली में शामिल हो रही नवाज शरीफकी पार्टी की उपाध्यक्ष मरियम नवाज को गिरफ्तार कर लिया जाए।

पाकिस्तान में वहां की फौज का हुक्म न मानने वाला बहुत बड़ी मुसीबत में पड़ सकता है। पुलिस के आला अफ़सर के साथ वही हुआ। नाराज होकर उन्होंने छुट्टी की दरखास्त दे दी। उनके साथ ही पुलिस के कई बड़े अफ़सरों ने छुट्टी के लिए अर्जी लगा दी। कराची देश का सबसे बड़ा व्यापारिक शहर है। वह सिंध की राजधानी भी है। सिंध में पिछले दस साल से इमरान खान की विरोधी पार्टी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) की सरकार है। यह पार्टी पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री जुल्फ़िक़ार अली भुट्टो के खानदान की राजनीतिक मिल्कियत है। इसी पार्टी के बैनर तले वे खुद प्रधानमंत्री बने थे। बाद में उनकी बेटी बेनजीर भुट्टो भी प्रधानमंत्री बनीं। उनके पति भी कुछ समय तक सत्ता के मालिक रहे। आजकल पार्टी पर बेनजीर भुट्टो के बेटे बिलावल जरदारी का कब्जा है। पीपीपी और नवाज शरीफ की खानदानी पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) एक दूसरे के राजनीतिक विरोधी हैं लेकिन इमरान खान जिस तरह से फौज के हुक्म के गुलाम बन गए हैं उससे पाकिस्तानी अवाम में बहुत नाराजगी है। उसी नाराजगी को भुनाने की गरज से बेनजीर भुट्टो और नवाज शरीफ की खानदानी पार्टियां एक मंच पर हैं। उनके साथ ही पाकिस्तानी मुल्ला तंत्र की कुछ पार्टियां भी शामिल हैं। इमरान खान सरकार ने मुल्क की जो आर्थिक हालत बना रखी है, उसके चलते देश में बहुत नाराजगी है। अब पाकिस्तान को किसी देश से कर्ज मिलने की उम्मीद बहुत कम हो गई है। चीन से दोस्ती के चक्कर में अमेरिका से भी रिश्ते खराब हो गये हैं। नतीजा यह हुआ है कि एकजुट विपक्ष ने पाकिस्तान की सड़कों को आबाद कर दिया है लेकिन प्रधानमंत्री इमरान खान भी जमे हुए हैं क्योंकि उनको फौज का पूरा सहयोग मिल रहा है। विपक्ष की पार्टियों ने इकट्ठा होकर पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) नाम का एक फ्रंट बना लिया है जिसमें देश की दोनों बड़ी विपक्षी पार्टियों की मुख्य भूमिका है लेकिन उसका अध्यक्ष जमियत उलेमा ए इस्लाम (एफ) के मुखिया मौलाना फज़लुर्रहमान को बनाया गया है। पीडीएम का उद्देश्य इमरान खान की भ्रष्ट सरकार को उखाड़ फेंकना है। उसके बाद सभी पार्टियां चुनाव लड़ेंगी। कराची की विशाल सभा में पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) की उपाध्यक्ष मरियम नवाज ने ऐलान किया कि जब भी चुनाव होगा तो पीडीएम में शामिल पार्टियां एक दूसरे के खिलाफ मैदान में होंगी।पीडीएम ने पाकिस्तानी शहर गुजरांवाला और कराची में जबरदस्त सभाएं करके अपने उद्देश्य का ऐलान कर दिया है। 25 अक्टूबर को क्वेटा में उनकी अगली रैली है। खबरें आ रही हैं कि फौज का धीरज अब जवाब देने लगा है। कराची में पुलिस के आईजी मुश्ताक महार को अगवा करके फौज ने साफ़ सन्देश दे दिया है कि वह किसी भी हद तक जा सकती है। खबरें आ रही हैं कि क्वेटा की रैली में पीडीएम की सबसे प्रभावशाली नेता और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज पर जानलेवा हमला भी किया जा सकता है। फौज को भरोसा है कि जिस तरह उस दौर की विपक्षी नेता बेनजीर भुट्टो को हटाकर उन्होंने अपने तत्कालीन चेले नवाज शरीफ के लिए रास्ता साफ़ कर लिया था, उसी तरह विपक्ष की सबसे मजबूत नेता और नवाज शरीफ की बेटी, मरियम नवाज को रास्ते से हटा कर अपने कठपुतली प्रधानमंत्री इमरान खान को बचा लेंगे। बेनजीर भुट्टो को मारकर फौज ने उस वक्ख्त की विपक्ष की योजना को कमजोर कर दिया था। इस बार भी सूत्रों का दावा है कि मरियम नवाज के साथ वही खेल खेलकर भारत को जिम्मेदार ठहराने की कोशिश की जायेगी। बलूचिस्तान में चल रहे आजादी के आन्दोलन को भी लपेटने की योजना है। नवाज शरीफ ने गुजरांवाला की रैली को संबोधित किया था लेकिन कराची में उनका भाषण नहीं कराया गया। वे लंदन में फ़रारी का जीवन काट रहे हैं पाकिस्तान में उनकी गिरफ्तारी का डर है इसलिए वे खुद पाकिस्तान नहीं आ सकते इसलिए उनका भाषण वर्चुअल तरीके से कराया जाता है। इमकान है कि क्वेटा की रैली में भी नवाज शरीफ की तक़रीर होगी और इमरान खान की पीटीआई सरकार को उखाड़ फेंकने की अपील कौम से की जायेगी। अजीब बात यह है विपक्ष को सरकार इमरान खान की हटानी है लेकिन नवाज शरीफ के वर्चुअल भाषण के हमले के निशाने पर पाकिस्तानी फौज के मौजूदा प्रमुख कमर जावेद बाजवा थे। ऐसा पहली बार हो रहा है कि पाकिस्तान में किसी सर्विंग आर्मी चीफ के खिलाफ राजनीतिक मोर्चा खोला गया है। इसके पहले उन जनरलों को निशाना बनाया जाता था जो सत्ता पर सिविलियन सरकार को बेदखल करके कब्जा जमाये रहते थे। इसका कारण शायद यह है कि अब पाकिस्तान में बच्चे-बच्चे को मालूम है कि सिविलियन प्रधानमंत्री तो जनरल बाजवा के हुक्म की तामील करने के लिए सत्ता पर काबिज है।सेना प्रमुख को सीधे निशाने पर लेने की कीमत भी ज्यादा होगी। अपनी सत्ता बचाए रखने के लिए पाकिस्तानी फौज किसी भी नेता को कुर्बान कर सकती है। नवाज शरीफ के इस रवैये से पीडीएम में शामिल अन्य राजनीतिक पार्टियों को दिक्कत हो सकती है क्योंकि वहां सभी राजनीतिक पार्टियां फौज को खुश रखना चाहती हैं। नवाज शरीफ खुद भी फौज की कृपा से प्रधानमंत्री बने थे।जनरल जियाउल हक ने ही उनको राजनीति में महत्व दिलवाया था। अभी पाकिस्तान में फौज का विरोध करना बहुत ही आसान नहीं माना जाता। वैसे भी पीडीएम की रैलियों में भीड़ तो खूब हो रही है लेकिन उसको अभी राजनीतिक रूप से इतना सक्षम नहीं माना जा सकता कि वे देश को फौज के खिलाफ खड़ा कर दे। इस बीच भारत वहां हर राजनीतिक विमर्श में शामिल हो चुका है। पाकिस्तान में भारत के खिलाफ जहर उगलकर सत्ता हासिल करने की पुरानी परम्परा है। प्रधानमंत्री इमरान खान ने मरियम नवाज पर आरोप लगा दिया है कि वे भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जबान बोलती हैं। मरियम नवाज ने भी उनको जवाब दे दिया है कि नरेंद्र मोदी के वे ज्यादा करीबी हैं। उधर भारत-विरोध को हवा देने का माहौल सेना प्रमुख जनरल बाजवा भी बना रहे हैं। उन्होंने एलओसी का दौरा किया और लौटकर पाकिस्तानी अखबारों में छपवाया कि सेना पूरी तरह से तैयार है।पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान एक हारे हुए सिपाही जैसे दिखने लगे हैं।

सम्पादकीय

कुपोषण का हल पोषण वाटिका

यूनिसेफ द्वारा जारी नयी रिपोर्ट, 'द स्टेट ऑफ द वर्ल्ड्स चिल्ड्रेन 2019' के अनुसार, दुनिया में पांच वर्ष से कम उम्र का हर तीसरा बच्चा कुपोषण का शिकार हैघ् यानी दुनियाभर में करीब 70 करोड़ बच्चे कुपोषित हैंघ् इस मामले में भारत की स्थिति भी बहुत अच्छी नहीं है, ग्लोबल हंगर इंडेक्स की मानें तो आर्थिक बदलाव के बावजूद भारत में पोषण की स्थिति नहीं सुधरी है, शोध के अनुसार, शिशु मृत्यु दर मामले में मध्य प्रदेश देश में शीर्ष पर है, यूनिसेफ के आंकड़े बताते हैं कि वैश्विक रूप से 2018 में पांच वर्ष से कम आयु के 14.9 करोड़ बच्चे अविकसित पाये गये गये, जबकि लगभग पांच करोड़ बच्चे शारीरिक रूप से कमजोर थे, वहीं अपने देश के करीब 50 फीसदी बच्चे कुपोषण का शिकार हैंघ् इसका प्रभाव न केवल उनके बचपन पर पड़ रहा है बल्कि उनका भविष्य भी अंधकारमय हो रहा हैघ् हाल ही में पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया, आइसीएमआर और नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन द्वारा भारत के सभी राज्यों में कुपोषण की स्थिति पर एक रिपोर्ट जारी की गयी है, जिसके अनुसार 2017 में देश में कम वजन वाले बच्चों की जन्म दर 21.4 फीसदी रही, जबकि जिन बच्चों का विकास नहीं हो रहा है, उनकी संख्या 39.3 फीसदी, जल्दी थक जाने वाले बच्चों की संख्या 15.7 फीसदी, कम वजनी बच्चों की संख्या 32.7 फीसदी, एनीमिया पीड़ित बच्चों की संख्या 59.7 फीसदी और अपनी आयु से अधिक वजनी बच्चों की संख्या 11.5 फीसदी थी, हालांकि पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मौत के कुल मामलों में 1990 के मुकाबले 2017 में कमी आयी, वर्ष 1990 में यह दर प्रति एक लाख पर 2,336 थी जो 2017 में घटकर 801 पर आ गयी, लेकिन कुपोषण से होने वाली मौतों के मामले में मामूली अंतर आया, वर्ष 1990 के 70.4 फीसदी की यह दर, 2017 में मामूली कमी के साथ 68.2 फीसदी पर रही, यह चिंता का विषय है, क्योंकि कुपोषण का खतरा कम नहीं हुआ है, विश्व बैंक से लेकर दुनिया की बड़ी-बड़ी आर्थिक एजेंसियां कुपोषण मिटाने में लगी हैं, लेकिन कुपोषण को बाहरी सहयोग से मिटाया जाना लगभग असंभव हैघ् तो क्या इसका कोई समाधान है? इसके लिए झारखंड में एक प्रयोग हो रहा है। इस प्रयोग को पोषण वाटिका की संज्ञा दी गयी है,यह ग्रामीण क्षेत्रों में बेहद लोकप्रिय भी हो रहा है, पोषण वाटिका कृषि में रसायनों का उपयोग, फ्ल एवं सब्जी की ऊंची कीमतें, आहार में फ्लों एवं सब्जियों की अपर्याप्त मात्रा, संतुलित भोजन की कमी आदि कई प्रकार की समस्याओं का निवारण है, पोषण वाटिका या गृहवाटिका, उस वाटिका को कहा जाता है जो घर के अगल-बगल ऐसी जगह होती है जहां पारिवारिक श्रम से परिवार में इस्तेमाल के लिए मौसमी फ्ल-सब्जियां उगायी जाती है, झारखंड जैसे प्रदेश में जहां कृषि वर्षा आधारित है, बहुजन के लिए पूरे वर्ष सब्जियों की उपलब्धता कठिन होती हैघ् पोषण के स्तर पर भी झारखंड में अनेक विषमताएं है, इन विषमताओं का प्रमुख कारण फ्ल एवं सब्जियों की समुचित उपलब्धता का न होना और लोगों में पोषण को लेकर जानकारी एवं जागरूकता का अभाव है। मनुष्य जीवन के सबसे महत्वपूर्ण 1000 दिनों में (गर्भावस्था से लेकर शिशु के दो साल की उम्र तक का समय) माता एवं शिशु को समुचित पोषण की बहुत आवश्यकता होती है। वैसे तो सही पोषण सबके लिए आवश्यक है, किंतु शून्य से दो वर्ष के बच्चों, किशोरियों, गर्भवती व दूध पिलाने वाली महिलाओं के लिए उचित पोषण का ध्यान रखा जाना अत्यंत आवश्यक है। घरेलू स्तर पर पोषण सुनिश्चित करने के लिए पोषण वाटिका बहुत आवश्यक है, झारखंड में विकास भारती बिशुनपुर नामक संगठन इस प्रयोग को बेहद प्रभावशाली तरीके से अंजाम दे रहा है,इस कारण झारखंड के कई क्षेत्रों में साफतौर पर परिवर्तन दिखने लगा है, हाल ही में झारखंड सरकार द्वारा संचालित ग्रामीण विकास की कई योजनाओं में भी इस प्रयोग को शामिल किया गया है। पोषण वाटिका के पौधों मे पोषक तत्व प्रबंधन के लिए घर पर ही देसी गाय के मूत्र से जीवामृत, वीजामृत एवं घन जीवामृत बनाकर पौधे उपजाये जाते है, पौधों में रोग न लगे इसके लिए नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र एवं अग्निस्त्र बनाकर खेतों में प्रयोग किया जा रहा है, खेतों के इस जैविक प्रबंधन का सीधा लाभ लोगों को मिल रहा है। इन फ्ल व सब्जियों में पोषक तत्त्वों की मात्रा भी काफी होती है और बाहर से इन्हें खरीदना भी नहीं पड़ता, इस प्रकार गृह वाटिका से महिलाएं अपनी व अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत बना रही है,वाटिका से प्राप्त मौसमी फ्ल व सब्जियों को प्रसंस्कृत कर वर्षभर प्रयोग में लाया जा सकता है। कोरोना को लेकर देश में कोहराम मचा हुआ है, बड़े-बड़े अर्थशास्त्री विकास के आंकड़ों को लेकर परेशान दिख रहे है। सरकार के माथे पर भी चिंता की लकीरें साफ दिखायी दे रही है, ऐसे में ग्रामीण क्षेत्र ही भविष्य की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम है।

अमेरिका में 'देसी' का दबदबा

अमेरिका में हालिया ओपिनियन पोल से स्पष्ट है कि भारतीय मूल के 28 प्रतिशत मतदाताओं का रुझान डोनाल्ड ट्रंप की तरफ है और शेष का जो बाइडेन की तरफ साल 2016 के बाद यह बड़ा परिवर्तन है. तब भारतीय मूल के केवल 16 फीसदी मतदाताओं ने हिलेरी क्लिंटन के बजाय ट्रंप को वरीयता दी थी. ह्यूस्टन में आयोजित 'हाउडी मोदी' कार्यक्रम में ट्रंप और मोदी के बीच जबरदस्त तालमेल दिखा था, वहां भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'अबकी बार ट्रंप सरकार' का नारा लगवाया था. साथ ही ट्रंप द्वारा अफ्रीकी-अमेरिकी और हिस्पेनिक्स लोगों को निशाना बनाये जाने से भारतीय-अमेरिकियों की विशिष्ट मानसिकता पर अतिरिक्त असर हुआ है. कुछ वर्ष पहले जोइल स्टीन ने टाइम पत्रिका में 'मेरा अपना निजी भारत' नाम से एक बेहतरीन कॉलम लिखा था. यह न्यू जर्सी के एक शहर एडिसन के बारे में था. अमेरिका में भारतीय समुदाय का प्रतिनिधित्व करनेवाले लोगों द्वारा स्टीन को नस्लवादी और भारत-विरोधी कहा गया था. टाइम ने इसके लिए खेद प्रकट किया, लेकिन लोगों के गुस्से के बारे में उसे सही अंदाजा नहीं था. उसने लिखा- जोइल स्टीन द्वारा लिखे गये व्यंग्य स्तंभ की वजह से अगर हमारे किसी पाठक को कष्ट हुआ है, तो उसके लिए खेद है. यह बहुत चतुराईपूर्ण था. टाइम की कुछ ऐसी ही खूबी है. अन्य कारणों से भी एडिसन विख्यात है. यह जातीय समूह की एकमात्र ऐसी जगह थी, जिसने 2016 में डोनाल्ड ट्रंप की मेजबानी की थी. रिपब्लिकन हिंदू संघ द्वारा आयोजित पांच घंटे के कार्यक्रम में 5000 से अधिक बड़े, बूढ़े और बच्चे शामिल हुए थे. कार्यक्रम का आयोजन एवीजी ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन और सीइओ भारतीय-अमेरिकी उद्योगपति शलभ कुमार द्वारा किया गया था. बड़ा जनसमूह ट्रंप के समर्थन में उमड़ा था, वे हाथों में तख्तियां लिये थे, जिस पर लिखा था- ट्रंप मेक अमेरिका ग्रेट अगेन. ट्रंप फॉर हिंदू अमेरिकन, ट्रंप ग्रेट फॉर इंडिया और ट्रंप फॉर फास्टर ग्रीन कार्ड. पारंपरिक भारतीय वेशभूषा में समर्थन नारों के साथ एकत्रित भीड़ ट्रंप का समर्थन कर रही थी और अमेरिकी ध्वज की ओट से होते हुए ट्रंप मंच पर आये. स्पष्ट रूप से ट्रंप की एक बात जो लोगों को आकर्षित कर रही थी कि वे खुलकर मुसलमानों का विरोध कर रहे थे. काले और हिस्पेनिक्स लोगों के प्रति उनकी नफरत जाहिर थी. एडिसन नेवार्क अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास में स्थित है, इसीलिए भारतीय विमानों के ठहराव के लिए पहला गंतव्य स्थल है. यही कारण है कि दशकों से एडिसन भारतीय प्रवासियों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा है, खासकर उन लोगों के लिए जो गुजरात से आते हैं. आज 20 फीसदी आबादी यानी लगभग 99,000 लोग भारतीय-अमेरिकी है, उनमें से ज्यादातर गुजराती हैं. कुछ मौकों पर मैं एडिसन एनजे गया, लेकिन यह वैसा शहर नहीं है, जैसा कि रहने के लिए मैं चाहता हूं. यह मैला-कुचौला और शोर-शराबे वाला शहर है. यहां भारतीय सस्ते खाने-पीने के सामानों के लिए मोलभाव करते हैं. एडिसन के बारे में मेरे एक मित्र का कहना है कि यह अमेरिका का दूसरा हाथ है. पहला होबोकेन है, वह भी न्यू जर्सी में ही है. देसी का मतलब है, जो घरेलू हो. सभी एनआरआइ द्वारा जब भारतीयों का जिक्र किया जाता है, तो उसे स्व-निंदा के तौर पर किया जाता है. पिछली गणना में अमेरिका में कम से कम 28 लाख लोग देसी थे. अमेरिकी जनगणना -2000 मानचित्र से स्पष्ट है कि भारतीय-अमेरिकी (आधिकारिक तौर पर एशियाई भारतीय) लोग खुद को स्थान विशेष पर संकेंद्रित करते हैं. मैं जब भी अमेरिका जाता हूं, तो मुझे आश्चर्य होता है कि हमारे भारतीय-अमेरिकी परिवार और मित्र केवल अन्य देसी के साथ समाजीकृत होते हैं. वे एक साथ झुंड में जाते हैं. अमेरिका में भारतीय-अमेरिकी समूहों की एक ठीक-ठाक संख्या है. लेकिन, एडिसन में यह जमावड़ा सबसे अधिक है. अमेरिका में भारतीय-अमेरिकी उच्चतम आय समूह का हिस्सा हैं. आमतौर पर वे ज्यादातर हिस्सों में वेतनभोगी कर्मचारी हैं. हालांकि, एडिसन में इस समुदाय की पेशेवर आमदनी की स्थिति अन्य भारतीय-अमेरिकियों की आय की तुलना में कम है. यह स्पष्ट तौर पर दिखता है. पांच में एक देसी गुजराती मूल का है. वे अन्य क्षेत्र के भारतीयों की तरह अपने लोगों में जीना और सामाजिक जुड़ाव रखना चाहते हैं. गुजराती स्वभाव से अधिक उद्यमी होते हैं. अमेरिका में छह लाख वाले गुजराती समुदाय में पेशेवर लोगों की संख्या बहुत कम है. यहां कम खर्च वाले आश्रयगृहों में आधे से अधिक के वे मालिक हैं. चूंकि, अमेरिका में रहनेवाले गुजरातियों में बड़ी संख्या में पटेल उपनाम वाले लोग हैं, इन होटलों को लोग 'पोटेल्स' कहते हैं. अक्सर इन जगहों पर घंटे के हिसाब से कमरे किराये पर दिये जाते हैं. एडिसन आरएसएस और रामभक्तों के लिए आदर्श केंद्र है, जो राजकोट या सूरत के बजाय इसे ज्यादा पसंद करते हैं. यह मोदी का देश है. सामान्य तौर पर भारतीय बहुत अधिक नस्लवादी, सांप्रदायिक और रंग भेदी होते हैं. हमारी राजनीतिक शुद्धता के स्पष्ट मानक नहीं हैं. हम रोजमर्रा के जीवन में नस्लवादी और दूसरों के लिए अपमानजनक आचरण करते हैं. अमेरिका में देसी समुदाय उससे ज्यादा अलग नहीं है. मीरा नायर की 1991 में आयी फिल्म 'मिसीसिप्पी मसाला' भारतीय-अमेरिकी समुदाय के बीच की कहानी है. हिंदू समाज में प्रचलित पूर्वाग्रहों को रेखांकित करती है. यह कहानी यूगांडा-भारतीय-गुजराती मूल की लड़की और खूबसूरत अफ्रीकी-अमेरिकी लड़के की प्रेम कहानी है, यह किरदार डेंजेल वाशिंगटन ने निभाया था. लेकिन, पोटेल बिजनेस वाला परिवार 'कालू' के साथ प्रेम की सख्त मुखालफ्त करता है.'कालू' शब्द का इस्तेमाल देसी द्वारा अफ्रीकी मूल के व्यक्ति के लिए किया जाता है. अमेरिका के समृद्ध आय वाले समुदाय के तौर पर देसी अब अमेरिकी राजनीति में प्रभावशाली भूमिका में हैं. भारतीय हितों के लिए वे अपनी भूमिका निभा रहे हैं, चाहे वह असैन्य परमाणु समझौता हो या वर्क वीजा की संख्या बढ़ाने की बात हो. भारतीय-अमेरिकियों की आर्थिक ताकत को भी महसूस किया जाता है. यह अच्छा है कि वे अपनी मांसपेशियों को लचीला करना शुरू कर चुके हैं. लेकिन, यह अच्छा नहीं है कि कुछ इससे खुद की मूर्खता को भी प्रदर्शित कर रहे हैं।

मन में स्नेह भर दे, वही सच्ची शिक्षा

जब हम सुनते हैं कि किसी कम शिक्षित इंसान ने घरेलू हिंसा की, अपनी पत्नी या पति या सहकर्मियों के साथ बदसलूकी की, राह चलते लोगों के साथ दुर्व्यवहार किया तो हमें उतना आश्चर्य नहीं होता, पर जब यही काम कोई डॉक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर या बड़ा अधिकारी करता है तो लोगों को बड़ा ताज्जुब होता है। ऐसा क्यों?

हमारी शिक्षा व्यक्ति का एकतरफा विकास करने पर ही जोर देती है। व्यक्ति का समेकित, सर्वांगीण, सम्पूर्ण विकास इसके उद्देश्यों में शामिल नहीं रहा है। इनका उल्लेख स्कूलों के विज्ञापनों और पत्रिकाओं में जरूर होता है, पर जमीनी हकीकत एक अलग कहानी कहती है। जब शिक्षा समेकित विकास की बात भी करती है तो वह कई क्षेत्रों में प्रतिभा विकसित करने की बात करती है। वह छात्र को कई अलग-अलग गतिविधियों में उलझा कर रखने को ही उनका समेकित विकास मान लेती है। वह छात्र के और अधिक करने, कुछ और अधिक बनने पर जोर देती है। हमारी शिक्षा बौद्धिक उपलब्धि या इंटेलीजेंट कोशेंटश् (आईक्यू) पर अधिक जोर देती है जबकि बुद्धि या विचारणा समूचे मस्तिष्क के एक बहुत ही सीमित क्षेत्र में होने वाली घटना है। सिर्फ विचार और बुद्धि के संवर्धन पर जोर देने वाली शिक्षा, पुस्तकों में उपलब्ध लिखित शब्द को ज्ञान का एकमात्र स्रोत मानने वाली शिक्षा ऐन्द्रिक बोध को कमजोर और भोथरा कर देती है। यह एक बहुत बड़ा कारण है कि हमारे सामने एक असंवेदनशील पीढ़ी निर्मित हुए जा रही है और हम इसके कारणों की तह तक नहीं जा पा रहे। जहां पुस्तक से मिलने वाला शाब्दिक ज्ञान कीमती हो जाए, वहां उसी अनुपात में संवेदनशीलता घटेगी। संवेदनशीलता का सम्बन्ध है संवेदनाओं, इन्द्रियों की सक्रियता से। जब विचार और बौद्धिकता पर अधिक जोर दिया जाएगा, वहां इन्द्रियों की क्षमता घटनी ही है। समेकित शिक्षा को बुद्धि के साथ भावनाओं और इन्द्रियों की तीव्रता को विकसित करने और उसे कायम रखने की जिम्मेदारी भी लेनी होगी। श्आईक्यूश् के साथ एक भावनात्मक स्तर भी होता है जिसे इमोशनल कोशेंट या ईक्यू कहते हैं। क्या हम सिर्फ बुद्धि के संवर्धन पर जोर दे रहे हैं? क्या बच्चों के भावनात्मक विकास, उनके आपसी संबंधों, घरेलू रिश्तों वगैरह को पूरी तरह अनदेखा नहीं कर रहे? विचार अक्सर पूरी तरह बौद्धिक हो जाते हैं या पूरी तरह भावुक और इस तरह का एकतरफा जीवन हमारे लिए कई बाधाएं खड़ी करता है। इससे जुड़ा दूसरा मुद्दा है गलत मूल्यों के सम्प्रेषण का। एक अच्छा पेशा या नौकरी इंसान की मूलभूत आवश्यकताओं के क्षेत्र में आते हैं। बुनियादी सुरक्षा देह, मन और मस्तिष्क के लिए जरूरी है और इसके बगैर अस्तित्व ही संभव नहीं, पर यदि कुछ लोग बहुत अधिक सफल होना चाहते हैं और उनका बिल्कुल भी ख्याल नहीं रखते जो तथाकथित रूप से असफल हैं तो इसका मतलब हम लगातार एक रुग्ण समाज की ओर बढ़ रहे हैं, प्रतिस्पर्धात्मक मूल्यों को पोषित कर रहे हैं। एक बहुत ही शिक्षित और संवेदनशील पश्चिमी महिला के साथ हाल ही में हुई बातचीत याद आती है। उसने कहा कि, श्मैं जीवन में बहुत सफल हो सकती हूं। धन और शोहरत कमा सकती हूं पर मुझे अपनी बहन से बहुत प्यार है और मेरी बहन ज्यादा प्रतिभाशाली नहीं न ही सामान्य अर्थ में ज्यादा शिक्षित है। मैं सोचती हूं कि मैं सफल हो जाऊं तो उसे बहुत दुःख होगा! ऐसी उदात्त भावना सबमें होगी यह अपेक्षा करना अवास्तविक होगा पर यह तो सच है कि जब हम सफलता के पीछे भागते हैं तो उन लोगों का ख्याल नहीं करते जो अक्सर इस व्यवस्था के कारण ही असफल रह जाते हैं। वे बेहतर इंसान हैं, पर उनमें प्रतिभा नहीं है या जो प्रतिभा है, वह समाज के मूल्यों के हिसाब से ज्यादा महत्व नहीं रखती। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या शिक्षा का उद्देश्य समाज के मूल्यों के हिसाब से सिर्फ सफल होना है? क्यों हम समझ और शालीनता, स्नेह और करुणा की तुलना में सफलता को ज्यादा महत्व देते हैं? जाने-अनजाने में हमारी शिक्षा व्यवस्था सफलता की उपासना पर जोर दे रही है। कोई सफल होने के साथ धनी हो तो उसे बहुत ऊंचा दर्जा दिया जाता है। स्कूलों के समारोहों में कलेक्टर या आयुक्त को बुलाया जाता है, कोई स्टार क्रिकेटर मिल सके, फिर तो क्या बात है! इससे बच्चों को यह साफ़ सन्देश मिलता है कि उन्हें बड़े होकर वैसा ही बनना है। ऐसे समारोहों में किसी स्कूल के बहुत ही ईमानदार या समर्पित शिक्षक को क्यों नहीं बुलाया जा सकता? या किसी बच्चे से ही इन कार्यक्रमों का उद्घाटन वगैरह क्यों नहीं करवाया जा सकता?एक भूखे-प्यासे, वंचित समाज में सफलता की पूजा आपत्तिजनक इसलिए भी है क्योंकि इसे हासिल करने के अवसर सबके पास नहीं हैं। जिन परिवारों में पहले से ही लोग उच्च पदों पर हैं, उनके बच्चों के लिए बेहतर अवसर होते हैं और वे दूसरे बच्चों की तुलना में ज्यादा आगे निकलने की संभावना रखते हैं, भले ही दूसरे बच्चे ज्यादा मेहनती और प्रतिभावान हों। उनके आर्थिक और सामाजिक दबाव उन्हें उन्हीं कामों तक सीमित रखते हैं जिनसे उनका जीवन चल भर सके। बहुत ऊंचे सपने देखना उनके लिए वर्जित है। वंचित तबकों तक पहुंचते-पहुंचते पानी सूख जाता है, समृद्धि और सफलता की नदियां कहीं ऊंचाई पर ही रुक जाया करती हैं। गांधीजी हृदय के संवर्धन या कल्चर ऑफ द हार्ट की बात करते थे। इमोशनल कोशेंट को महत्व देते थे। यह बात उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में टॉलस्टॉय फार्म में शिक्षा सम्बन्धी प्रयोगों के दौरान ही अप्रत्यक्ष रूप से कह दी थी। बौद्धिक ताकत, सफलता, प्रतिष्ठा और आर्थिक समृद्धि प्राप्त करना जीवन का एकमात्र उद्देश्य नहीं हो सकता और शिक्षक को प्राथमिक स्तर से ही यह बात समझनी और समझानी होगी। इससे उसमें अपना आत्म-सम्मान भी बढ़ेगा, क्योंकि अभी भी हमारे समाज में शिक्षक को एक निरीह प्राणी के रूप में देखा जाता है।

अक्सर लोग समझते हैं कि जब कोई, किसी भी क्षेत्र में सफल नहीं हो पाता तो वह शिक्षक बन जाता है। शिक्षक को समाज की समूची तस्वीर बच्चों के सामने रखनी चाहिए। यह सिखाना चाहिए कि सफलता और धन ही जीवन का अकेला मकसद नहीं हो सकता। खासकर ऐसे समाज में जहां ये सबके लिए उपलब्ध न हो। यह भी जरूरी है कि इन मूल्यों को परंपरागत अर्थ में व्याख्यायित न किया जाए, बल्कि उन्हें आज के सन्दर्भ में, आधुनिक परिस्थितियों में स्पष्ट किया जाए। बच्चों को संसार के उन अरबपतियों के भी उदाहरण दिए जाने चाहिए जिन्होंने जीवन के आखिर में खुदकुशी कर ली। धन और प्रसिद्धि के गहरे निहितार्थ उनकी समग्रता में समझाने चाहिए। जार्ज बर्नार्ड शॉ ने इस सम्बन्ध में बहुत अच्छी बात कही थी कि श्एक धनी व्यक्ति और कोई नहीं, बस एक पैसे वाला गरीब इंसान होता है। सही शिक्षा में धन और सफलता के बखान करने के अलावा आतंरिक समृद्धि, सृजनशीलता, समझ, तार्किक सोच और स्नेह से भरे एक हृदय की आवश्यकता बच्चों को किसी भी तरह समझाई जानी चाहिए। इसमें शिक्षक की स्वयं की शिक्षा भी शामिल है क्योंकि यह सब वह ईमानदारी के साथ तभी बता सकताध्सकती है जब वह खुद भी उन मूल्यों को थोड़ा बहुत जीता हो। इसमें माता-पिता की भी बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। घर पर ऐसी बातें ही नहीं की जानी चाहिए जिनसे बच्चों के मन पर इस तरह के झूठे मूल्य अंकित हो जाएं कि उन्हें बस धन और शोहरत के लिए अपने जीवन को न्योछावर कर देना है। समेकित विकास का सौन्दर्य ही इस बात में है कि उसमें देह, बुद्धि, धन और प्रेम के साथ-साथ जीवन के गहरे प्रश्न पूछने की क्षमता विकसित हो। अंधाधुंध धन कमाने के अलावा सुरुचिपूर्ण साहित्य, कला, संगीत वगैरह के प्रति भी बच्चे का ध्यान आकर्षित किया जाए। अपने दैहिक स्वास्थ्य के बारे में भी वह उतना ही सजग हो सके। समूची धरती और छोटे-से-छोटे जीव-जंतुओं की फिक्र करने की सीख देना शिक्षा के सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्यों में शामिल होना चाहिए। सर्वांगीण विकास इसी में निहित है।

सार समाचार ....

शेन वॉर्न ने किया खुलासा, कहा- इन दो बल्लेबाजों ने मारे हैं मुझे मैदान के चारों तरफ शॉट्स

नई दिल्ली , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व स्पिनर शेन वॉर्न की गिनती विश्व के सबसे बेहतरीन स्पिनरों में की जाती है। बल्लेबाजों को अपनी घूमती गेंदों पर नचाने वाले शेन वॉर्न ने एक बड़ा खुलासा किया है। वॉर्न ने उन दो बल्लेबाजों का नाम लिया है, जो उनके समय में वॉर्न की खूब पिटाई किया करते थे। वॉर्न का इंटरनेशनल करियर लाजवाब रहा, वो टेस्ट मैचों में मुथैया मुरलीधरन (800) के बाद सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज हैं। वॉर्न के नाम टेस्ट क्रिकेट में 708 विकेट दर्ज हैं, जबकि वनडे क्रिकेट में उन्होंने 293 विकेट चटकाए। वॉर्न ने बताया कि उनके समय में सचिन तेंदुलकर ब्रायन लारा वो दो ऐसे बल्लेबाज थे, जिन्होंने उनको मैदान के चारों ओर शॉट्स लगाए हैं।

वॉर्न ने इन दोनों बल्लेबाजों को बेहद महान बल्लेबाज करार दिया और उनकी जमकर तारीफ की। खेल वेबसाइट स्पोर्ट्सकीड़ा से बात करते हुए वॉर्न ने कहा, मुझे लगता है कि मेरे समय जो दो बल्लेबाज शानदार खेलते थे, वो सचिन तेंदुलकर और ब्रायन लारा थे। यह मेरे समय और इस खेल को खेलने वाले सबसे बेहतरीन दो बल्लेबाज थे। उन्होंने आगे कहा, मुझे इन दोनों के खिलाफ गेंदबाजी करने में मजा आता था। आप जानते हैं कि इन दोनों बल्लेबाजों ने मुझे काफी बार या ज्यादातर मैदान के चारों तरह शॉट्स लगाए हैं। हालांकि, कुछ समय पर मैंने इन दोनों को आउट भी किया है। वॉर्न ने कहा कि सचिन, लारा और मेरी बीच जो मैदान पर जंग होती थी, उसका लोग काफी लुत्फ उठाते थे और यह काफी अच्छा था कि हम फैन्स को मनोरंजन कर पाते थे। वॉर्न ने कहा, मुझे लगता है कि हम तीन मैं, सचिन और लारा हमको लोग बिग 3 बुलाया करते थे। लेकिन, हम तीनों के बीच सालों तक चली क्रिकेट के मैदान पर जंग ने इस खेल को इंटरेस्टिंग, मजेदार बनाया। आपको पता है हम एक दूसरे के खिलाफ लगभग 20 साल तक खेले, मुझे लगता है कि लोगों ने इस लुत्फ उठाया।

दिल्ली के गेंदबाजों की इकोनॉमी 8 से कम; चेन्नई के बॉलर्स की इकोनॉमी 9 से ज्यादा

नई दिल्ली, एजेंसी।

आईपीएल में 40 मैचों के बाद दिल्ली कैपिटल्स पॉइंट टेबल में पहले और चेन्नई सुपरकिंग्स अंतिम स्थान पर है। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले किसी को उम्मीद नहीं थी कि 8 बार की फाइनलिस्ट चेन्नई की ऐसी स्थिति होगी। दिल्ली की कमान 26 साल के श्रेयस अय्यर के पास है। 10 मैचों में 335 रन बनाकर अय्यर खुद टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में 6वें नंबर पर हैं।

गेंदबाजी में 25 साल के कगिसो रबाडा ने 10 मैचों में सबसे ज्यादा 21 विकेट लिए हैं। टीम के तीन प्रमुख गेंदबाजों की बात की जाए, तो तीनों ने 8 से कम की इकोनॉमी से रन दिए हैं। तीनों की उम्र 30 से कम है। वहीं, चेन्नई के तीन में से दो प्रमुख गेंदबाजों की उम्र 30 से ज्यादा है और इनकी इकोनॉमी भी 9 से ज्यादा है। टीम के लिए धवन, हेटमायर, स्टोइनिस और पृथ्वी शॉ ने 140 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं।

चेन्नई की प्लेइंग-11 में 3 खिलाड़ी 30 से कम के

प्लेइंग इलेवन में सिर्फ शार्दुल (29), दीपक चाहर (28), करन (22) ही 30 साल से कम उम्र के हैं। टीम के पास ऐसे तेज गेंदबाजों की भी कमी है, जो लगातार 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद डाल सके। सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले टॉप-10 गेंदबाजों में चेन्नई का कोई नहीं है। अभी तक प्रमुख बल्लेबाजों में सिर्फ फाफ डु प्लेसिस का स्ट्राइक रेट 140 से बेहतर है।

सुपर किंग्स के लिए करो या मरो जैसे हालात; मुंबई जीती

- इस मैदान पर हुए कुल टी-20: 13
- पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती: 9
- पहले गेंदबाजी करने वाली टीम जीती: 4
- पहली पारी में टीम का औसत स्कोर: 149
- दूसरी पारी में टीम का औसत स्कोर: 131

दुबई | एजेंसी।

चेन्नई के लिए यह मुकाबला करो या मरो जैसा होगा। वहीं, मुंबई इस मैच को जीतकर पॉइंट्स टेबल में टॉप पोजिशन पर पहुंचना चाहेगी। चेन्नई को प्ले-ऑफ के लिए अपने बचे चारों मैच जीतने होंगे। इसके अलावा टूर्नामेंट में बाकी टीमों की परफॉर्मेंस से भी चेन्नई का भविष्य तय होगा। वहीं, शानदार फॉर्म में चल रही मुंबई का प्ले-ऑफ में पहुंचना लगभग तय है।

ओपनिंग मैच में चेन्नई ने हराया था

19 सितंबर को आईपीएल के ओपनिंग मुकाबले में चेन्नई ने मुंबई को 5 विकेट से हराया था। अबु धाबी में खेले गए इस मुकाबले में मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई को 163 रन का टारगेट दिया था। जवाब में चेन्नई ने 19.2 ओवर में 5 विकेट पर 166 रन बनाकर मैच जीता था।

मुंबई इंडियंस फॉर्म में

ओपनिंग मैच हारने के बाद मुंबई ने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। मुंबई एकमात्र ऐसी टीम है, जिसने अपने प्लेइंग इलेवन में सबसे कम बदलाव किए हैं। मुंबई ने सीजन में 9 मैच खेले हैं, जिसमें उसने 6 जीते और 3 हारे हैं।

सीजन में 2 मैच सुपर ओवर में हारे

मुंबई ने सीजन के 2 मैच सुपर ओवर में हारे हैं। पहला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से और दूसरा किंग्स इलेवन पंजाब से। पंजाब के खिलाफ तो मैच का फैसला 2 सुपर ओवर से हुआ। पहला सुपर ओवर टाई रहा, जबकि दूसरे में पंजाब ने मुंबई से मैच छीन लिया था।

चेन्नई के लिए कुछ भी ठीक नहीं

चेन्नई ने शुरुआत तो शानदार की, लेकिन आगे उसकी गाड़ी जीत की पटरी से उतरी हुई दिखी। चेन्नई के लिए बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग तीनों डिपार्टमेंट में परेशानी कम नहीं है। रैना और हरभजन की कमी कोई दूसरा खिलाड़ी पूरी नहीं कर सका। अब ब्रावो भी चोट की वजह से टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं।

डिकॉक और रोहित शर्मा मुंबई के टॉप स्कोरर

मुंबई के ओपनर क्विंटन डिकॉक और रोहित शर्मा ने अपनी टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। डिकॉक ने सीजन में अब तक 322 और रोहित ने 260 रन बनाए हैं। इनके अलावा सूर्यकुमार यादव ने सीजन में अब तक 243 रन बनाए हैं।

मुंबई के गेंदबाज शानदार फॉर्म में

मुंबई के तेज गेंदबाज शानदार फॉर्म में हैं। जसप्रीत बुमराह और ट्रेंट बोल्ट सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले टॉप-10 गेंदबाजों की लिस्ट में हैं। बुमराह के नाम 15 और बोल्ट के नाम 12 विकेट हैं। वहीं, राहुल चाहर ने सीजन में अब तक 11 विकेट लिए हैं।

प्लेसिस और वॉटसन के नाम सबसे ज्यादा रन

ओपनर फाफ डु प्लेसिस और शेन वॉटसन ने चेन्नई के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। डु प्लेसिस 375 रन के साथ टॉप पर हैं, जबकि वॉटसन 285 रन के साथ दूसरे नंबर पर हैं। इनके अलावा अंबाती रायडू 250 रन के साथ तीसरे नंबर पर हैं।

चेन्नई के लिए चाहर-करन के नाम 10 विकेट

चेन्नई के लिए तेज गेंदबाज दीपक चाहर और सैम करन 10-10 विकेट के साथ टॉप पर हैं। इसके बाद शार्दूल ठाकुर 9 विकेट के साथ तीसरे नंबर पर हैं।

शारजाह में आसमान साफ रहेगा। तापमान 22 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। शारजाह में पिच से बल्लेबाजों को मदद मिल सकती है। यहां स्लो विकेट होने के कारण स्पिनर्स को भी काफी मदद मिलेगी। शारजाह में टॉस जीतने वाली टीम पहले बल्लेबाजी करना पसंद करेगी। शारजाह में आईपीएल से पहले पिछले 13 टी-20 में पहले बल्लेबाजी वाली टीम की जीत का सक्सेस रेट 69त्न रहा है। लीग के इतिहास में मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपरकिंग्स सबसे सफल टीमें हैं। अब तक हुए 12 टूर्नामेंट में से 7 बार यही दो टीमें खिताब जीती हैं। मुंबई सबसे ज्यादा 4, तो चेन्नई तीन बार चैम्पियन बनी है। मुंबई ने पहली बार 2013 में आईपीएल जीता था। इसके बाद 2015, 2017 और 2019 में भी टीम चैम्पियन बनी।

दूसरी ओर, महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई ने लगातार दो बार 2010 और 2011 में खिताब जीता था। पिछली बार यह टीम 2018 में चैम्पियन बनी थी। चेन्नई टीम 10 बार आईपीएल का प्लेऑफ खेली है, जबकि 8 बार फाइनल में पहुंची है।

चेन्नई पांच बार रनरअप रही

चेन्नई सुपरकिंग्स पांच बार (2008, 2012, 2013, 2015 और 2019) आईपीएल की रनरअप रही, जबकि मुंबई इंडियंस एक बार 2010 में रनरअप रही है। आईपीएल के इतिहास में मुंबई की इकलौती टीम है, जिसने सबसे ज्यादा बार चेन्नई को हराया है। दोनों टीमों के बीच अब तक 28 मुकाबले हुए हैं, इसमें से 17 बार मुंबई, तो 11 बार चेन्नई को जीत मिली है।

चेन्नई-मुंबई के सबसे महंगे खिलाड़ी

सीएसके में कप्तान धोनी सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। टीम उन्हें एक सीजन के 15 करोड़ रुपए देगी। उनके बाद टीम में केदार जाधव का नाम है, जिन्हें इस सीजन में 7.80 करोड़ रुपए मिलेंगे। वहीं, मुंबई में कप्तान रोहित शर्मा सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। टीम उन्हें एक सीजन का 15 करोड़ रुपए देगी। उनके बाद टीम में हार्दिक पंड्या का

वॉर्नर बोले- मध्यक्रम ने बेहतर बल्लेबाजी की; स्मिथ ने कहा- जोफ्रा आर्चर को लगातार तीसरा ओवर न देना बड़ी गलती

दुबई, एजेंसी।

आईपीएल-13 में गुरुवार रात को सनराइजर्स हैदराबाद ने राजस्थान रॉयल्स को 8 विकेट से हरा दिया। जीत के बाद हैदराबाद के कप्तान डेविड वॉर्नर मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाजों से खुश नजर आए। उन्होंने कहा- हमारी मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाजों ने बेहतर बल्लेबाजी की। अब तक असफल हो रहे मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाजों ने दिखा दिया, कि हमारे पास भी मिडिल ऑर्डर है। हमारे मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाजों की आलोचना की जाती थी। इस मैच से पहले हमारे मिडिल ऑर्डर के विकेट जल्दी गिर जाते थे। उन्होंने आगे आकर बेहतर बल्लेबाजी की। मैं इनसे खुश हूं। इस मैच में मनीष पांडे और विजय शंकर के बीच तीसरे विकेट के लिए 140 रन की पार्टनरशिप हुई। पांडे ने 47 गेंद पर 83 रन बनाए। जबकि शंकर ने 51 गेंद पर 52 रन बनाए। मनीष पांडे को मैन ऑफ द मैच भी चुना गया। वॉर्नर ने आगे कहा-

जेसन होल्डर के खेलने से बॉलिंग मजबूत हुई है। उनकी ऊंचाई और अनुभव ने हमें ताकत दी। हम उन्हें बल्लेबाजी करते नहीं देख पाये। वह बेहतर ऑलराउंडर है। होल्डर ने सीजन का अपना पहला मैच खेला। उन्होंने 4 ओवर में 33 रन देकर 3 विकेट लिए। वॉर्नर ने कहा- हमारी शुरुआत अच्छी रही। हम पावर प्ले में जाने में सक्षम है। हमारे दो खिलाड़ियों को उनकी कड़ी मेहनत का फल मिल रहा है।

राजस्थान रॉयल्स के कप्तान स्टीव स्मिथ ने माना कि जोफ्रा आर्चर से बॉलिंग की शुरुआत कराने के बाद उन्हें लगातार तीसरा ओवर गेंदबाजी के लिए नहीं देना उनकी गलती थी। जोफ्रा आर्चर ने पहले ओवर में ही हैदराबाद के कप्तान वॉर्नर का विकेट लिए थे। उसके बाद अपने अगले ओवर में जॉन बेयरस्टो का विकेट लिए। स्मिथ ने उनके बाद आर्चर से 12 वें ओवर में बॉलिंग कराई थी। तब तक विजय शंकर और मनीष पांडे ने बेहतर साझेदारी कर राजस्थान को जीत के करीब पहुंचा चुके थे।

स्मिथ ने कहा, मुझे लगता है कि हमने अच्छी शुरुआत की थी। जोफ्रा ने दो विकेट लेकर अच्छा काम किया, लेकिन हम इसे जारी नहीं रख सके। विकेट अच्छी हो गई थी। कुछ ओस थी। आर्चर का तीसरा ओवर मेरे दिमाग में चल रहा था, मैंने चर्चा भी की थी।

मुझे लगता है कि आर्चर को लगातार तीसरा ओवर डलवाना चाहिए थे।

इस बल्लेबाज को जरूर चुभा होगा टीम से बाहर बैठना

नई दिल्ली एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग के 13वां सीजन इस साल कोरोना वायरस के चलते यूएई (युनाइटेड अरब अमीरात) में खेला जा रहा है। इस साल सभी टीमों के पास बढ़िया खिलाड़ी मौजूद हैं और टीम कॉम्बिनेशन को लेकर हर टीम को काफी सोचना पड़ा है। आईपीएल के इस सीजन में टीमों ने अनुभवी खिलाड़ियों की जगह युवा खिलाड़ियों को ज्यादा मौका दिया है, यही वजह है कि इस फॉर्मेट के कई दिग्गज खिलाड़ियों को इस साल बेंच पर आराम करना पड़ा है। इस लिस्ट में क्रिस गेल का नाम भी शामिल है, जिनको पंजाब की टीम ने शुरुआती मैचों में मौका नहीं दिया था। बीसीसीआई के प्रेसिडेंट सौरव गांगुली ने गेल को प्लेइंग में जगह ना देने को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। सौरव गांगुली ने स्टार स्पोर्ट्स के साथ बात करते हुए कहा, हमको लगता है कि गेल हमेशा हंसते और मस्त रहते हैं, लेकिन टीम से बाहर बैठना उनको जरूर चुभा होगा। यह वो चीजें हैं, जिनको देखने और समझने की जरूरत है। आईपीएल के अंदर बहुत ज्यादा कॉम्पिटिशन है। अबतक इस टूर्नामेंट में कई शानदार पारियां देखने को मिली है, जिन्होंने इस आईपीएल में लोगों का डिबेट करने का मौका दिया है। गांगुली से जब इस आईपीएल की बेस्ट पारी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि पूरा टूर्नामेंट लाजवाब रहा है। मैं किसी एक मोमेंट को नहीं चुन सकता हूं। केएल राहुल की बैटिंग, शिखर धवन की बैटिंग,कुछ बेहतरीन फील्डिंग, जसप्रीत बुमराह की गेंदबाजी, जिस तरह से एनरिच नॉर्टजे और रबाडा ने गेंदबाजी करी, मोहम्मद शमी ने जिस तरह से गेंदबाजी करी, मयंक अग्रवाल की इस फॉर्मेट में बल्लेबाजी। इस साल आईपीएल में कई युवा खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से छाप छोड़ी है, जबकि कई अनुभवी और दमदार खिलाड़ियों को अबतक मौका नहीं मिल सका है। गेल को किंग्स इलेवन पंजाब की टीम ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ इस सीजन में पहली बार प्लेइंग ङ्कढ्ढ में शामिल किया था और उस मैच में गेल ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतकीय पारी खेली थी। गेल के अलावा, चेन्नई की तरफ से इमरान ताहिर भी ऐसे खिलाड़ी रहे हैं, जिनको पिछले सीजन में दमदार प्रदर्शन करने के बावजूद भी इस साल खेलने का मौका नहीं मिला है।

बजरंग पूनिया बोले- वर्ल्ड चैम्पियनशिप से पहले पोलैंड और रूस में होने वाली चैम्पियनशिप में भाग नहीं लेंगे

पेरिस , एजेंसी। वर्ल्ड रेसलिंग चैम्पियनशिप से पहले प्रतियोगिताओं का आयोजन नहीं हो पाना आदर्श स्थिति नहीं है, लेकिन भारत के शीर्ष पहलवान बजरंग पूनिया ने कहा कि वे किसी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने की तैयारी नहीं कर रहे है और वे इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में सीधा खेलना पसंद करेंगे। यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग में जूनियर विश्व चैंपियनशिप को रद्द कर दिया है लेकिन उन्हें उम्मीद है कि यूरोप में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के बावजूद सर्बिया के बेलग्राद में सीनियर चैंपियनशिप का आयोजन 12 से 20 दिसंबर तक जरूर होगा।

घरों में ट्रेनिंग और कैंप की ट्रेनिंग में अंतर बजरंग ने कहा कि कि ये अच्छा है कि हमने ट्रेनिंग शुरू कर दी है। ऐसा नहीं था कि हम लय में नहीं थे क्योंकि लॉकडाउन के दौरान हम अपने घरों में ट्रेनिंग कर रहे थे, लेकिन इसकी तुलना कैंप में मैट पर होने वाली ट्रेनिंग से नहीं की जा सकती। पुरुष टीम का कैंप एक सितंबर को शुरू हुआ था। बजरंग ने ये बात स्वीकार की कि हमें अपना स्तर पता है और ये भी पता है कि प्रतिस्पर्धा पेश करते हुए हम यहां पर हैं।

पोलैंड और रूस में अगले महीने चैम्पियनशिप एक खिलाड़ी को खेलने की जरूरत है क्योंकि तभी उसे पता चलेगा कि उसकी स्थिती क्या है। दो पुरुष फ्रीस्टाइल चैंपियनशिप का आयोजन पोलैंड(4 और 8 नवंबर) और रूस(7 और 8 नवंबर) में होना है, लेकिन बजरंग पूनिया ने बताया कि वे वहां पर मुकाबला करने के लिए उत्सुक नहीं हैं। उन्होंने कहा कि इन प्रतियोगिता में जितने मर्जी पहलवान हिस्सा ले सकते हैं लेकिन विश्व चैम्पियनशिप में प्रत्येक वर्ग में सिर्फ एक पहलवान हिस्सा ले सकता है। मुझे नहीं लगता कि पोलैंड और रूस में इस चैंपियनशिप के लिए जाना अच्छा होगा। टोक्यो ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुके भारतीय पहलवान ने कहा कि हमें ये सुनिश्चित नहीं है कि विश्व चैम्पियनशिप का आयोजन होगा या नहीं, हमने सुना है कि यूरोप में कोरोना वायरस के मामले लगातार बढ़ रहे हैं।

अब सभी का टारगेट टोक्यो ओलिंपिक ही है वर्ल्ड चैम्पियनशिप अगर आयोजित होती है तो ये साफ है कि पहलवान बिना किसी अन्य प्रतियोगिता में हिस्सा लिए वहां पर खेलेंगे। इस पर बात करते हुए बजरंग ने कहा कि इससे क्या फर्क पड़ता है, हमें कहीं से तो शुरूआत करनी ही है। सभी का टारगेट ओलंपिक ही है और ये सब ठीक है। बजरंग देश के शीर्ष फ्रीस्टाइल पहलवान हैं। वहीं, नेशनल कोच जगमंदर सिंह कह चुके हैं कि प्रतियोगिताएं जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि जब से ट्रेनिंग शुरू हुई है तब से पहलवानों में काफी सुधार हुआ है। पहलवानों की असली परीक्षा तभी होती है जब वे प्रतियोगिता में मुकाबले के लिए उतरते हैं।

भारत की स्टार एमएमए एथलीट रितु फोगाट का मुकाबला पोव से, दुनिया भर में किया जायेगा लाइव प्रसारण

नई दिल्ली एजेंसी। भारत की स्टार एमएमए एथलीट रितु फोगाट का 30 अक्टूबर को सिंगापुर में कम्बोडिया की सनसनी और कुन खमेर वर्ल्ड चैंपियन नाउ स्रे पोव से वनः इनसाइड दि मेट्रिक्स चैंपियनशिप में मुकाबला होगा। रितु फ़िलहाल वन चैंपियनशिप की ट्रेनिंग के लिए सिंगापुर में है। उन्होंने वर्चुअल प्रेस मीट के जरिए भारतीय मीडिया के साथ बातचीत की और कहा कि वह इस मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इसका लाइव प्रसारण दुनिया भर में किया जायेगा।

यह मैच 26 वर्षीय फोगाट के लिए अब तक का सबसे कठिन परीक्षण होगा, जो कुश्ती के बाद अब मिक्स्ड मार्शल आर्ट में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं। रितू ने कहा कि वह भारत में मिक्स्ड मार्शल आर्ट को लोकप्रियता देना चाहती हैं और इसके लिए एक मंच तैयार करना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि इस विश्व चैंपियनशिप को जीतने का एक कारण यह भी है कि भारत में एमएमए को लोकप्रिय बनाया जाए और इसे वह पहचान दिलाई जाए जिसकी वह हकदार है। अपनी प्रतिद्वंदी नाउ स्रे पोव की कुन खमेर विश्व चैंपियन के रूप में प्रतिष्ठा पर चर्चा करते हुए रितु ने आत्मविश्वास से कहा कि वह एक अनुभवी चैंपियन हैं। इस चैंपियनशिप में हम दोनों के बीच एक कठिन और दिलचस्प लड़ाई होगी।

कपिल देव को पड़ा दिल का दौरा खतरे से बाहर

अबुधामी , एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम को पहला वर्ल्ड कप जिताने वाले पूर्व कप्तान कपिल देव को हार्ट अटैक आया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सीने में दर्द के बाद शुक्रवार को उन्हें दिल्ली के अस्पताल में भर्ती कराया गया। हार्ट में ब्लॉकेज के कारण कपिल देव की एंजियोप्लास्टी हुई है।

डॉक्टर्स के मुताबिक, कपिल देव की हालत स्थिर है। वे खतरे से बाहर हैं। हार्ट अटैक की खबर के बाद सोशल मीडिया पर हर्षा भोगले और आकाश चोपड़ा समेत कई फैंस ने उनके जल्द ठीक होने की दुआ की।

1983 में वर्ल्ड कप जिताया पूर्व लेजेंड ऑलराउंडर कपिल की कप्तानी में भारत ने 1983 में पहला वनडे वर्ल्ड कप जीता था। कपिल ने 131 टेस्ट में 5248 और 225 वनडे में 3783 रन बनाए हैं। उन्होंने टेस्ट में 434 और वनडे में 253 विकेट भी लिए।

कपिल ने 1994 में आखिरी मैच खेला था कपिल ने 1 अक्टूबर 1978 को पाकिस्तान के खिलाफ क्वेटा में वनडे से इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था। उन्होंने पहला टेस्ट इसी साल 16 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ फैसलाबाद में खेला था। कपिल ने 1994 में क्रिकेट से संन्यास लिया। उन्होंने आखिरी मैच वेस्टइंडीज के खिलाफ फरीदाबाद में वनडे खेला था। **बॉलीवुड में बन रही कपिल की बायोपिक** कपिल देव के जीवन पर बॉलीवुड में बायोपिक फिल्म '83' बन रही है। इसमें लीड रोल रणवीर सिंह निभा रहे हैं। फिल्म में 1983 वर्ल्ड कप जीतने पर ज्यादा फोकस किया जाएगा, इसलिए टाइटल '83' रखा गया है। कपिल को लेकर तीन बायोग्राफी 'बाय गोड्स डिक्री, क्रिकेट माय लाइफ और स्ट्रेट फ्रॉम द हार्ट' पहले ही लिखी जा चुकी हैं।

मनीष और शंकर की फिफ्टी से जीती सनराइजर्स, पॉइंट्स टेबल के टॉप-5 में पहुंची

दुबई | एजेंसी।

आईपीएल के 13वें सीजन के 40वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद (स्क्रा) ने राजस्थान रॉयल्स (ङ्कक्र) को 8 विकेट से हरा दिया। दुबई में खेले गए मैच में टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान ने 155 रन का टारगेट दिया। जवाब में हैदराबाद ने 18.1 ओवर में 2 विकेट पर 156 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। मनीष पांडे ने आईपीएल में अपनी 18वीं फिफ्टी लगाते हुए सबसे ज्यादा नाबाद 83 रन बनाए। विजय शंकर ने आईपीएल में अपनी तीसरी फिफ्टी लगाते हुए नाबाद 52 रन बनाए। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 140 रन की पार्टनरशिप की। मनीष पांडे को मैन ऑफ द मैच भी चुना गया। राजस्थान के जोफ्रा आर्चर को 2 विकेट मिले। इस जीत के साथ हैदराबाद पॉइंट्स टेबल में 5वें स्थान पर पहुंच गई है।

वॉर्नर-बेयरस्टो नहीं चले

हैदराबाद के कप्तान डेविड वॉर्नर और जॉनी बेयरस्टो मैच में कुछ खास नहीं कर सके। वॉर्नर (4) को जोफ्रा आर्चर ने पारी के पहले ओवर की चौथी बॉल पर बेन स्टोक्स के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद आर्चर ने अपने अगले ओवर में बेयरस्टो (10) को बोल्ड कर राजस्थान को दूसरी सफलता दिलाई।

होल्डर ने राजस्थान को 154 पर रोका

इससे पहले सीजन में अपना पहला मैच खेल रहे जेसन होल्डर ने राजस्थान को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया। राजस्थान ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 154 रन बनाए। होल्डर ने 4 ओवर में 33 रन देकर 3 विकेट लिए। होल्डर ने उथप्पा को रन आउट भी किया।

राजस्थान के लिए संजू सैमसन ने सबसे ज्यादा 36 और बेन स्टोक्स ने 30 रन बनाए। इसके अलावा रियान पराग 20 रन बनाकर आउट हुए। जोफ्रा आर्चर 16 और राहुल तेवतिया 2 रन बनाकर नॉट आउट रहे। होल्डर के अलावा राशिद खान और विजय शंकर को एक-एक विकेट मिला।

पावर-प्ले में 47 रन बने

राजस्थान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। रॉबिन उथप्पा और बेन स्टोक्स ने संभलकर पारी की शुरुआत की। उथप्पा को अच्छी शुरुआत मिली, लेकिन वे इसे बड़े स्कोर में नहीं बदल सके। उथप्पा 19 रन बनाकर रन आउट हुए। इसके बाद स्टोक्स और संजू सैमसन ने पारी को संभाला और पावर-प्ले में स्कोर को 47 रन तक ले गए।

स्टोक्स-सैमसन ने पारी संभाली

पहला विकेट जल्दी गिर जाने के बाद स्टोक्स-सैमसन ने पारी संभाली। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 56 रन की पार्टनरशिप की। सैमसन 36 रन बनाकर जेसन होल्डर की बॉल पर बोल्ड हुए। इसके बाद स्टोक्स (30) भी राशिद खान की बॉल पर आउट हुए।

जब करीना कपूर ने बताया था सैफ की एक्स-वाइफ अमृता सिंह से कैसे हैं उनके रिश्ते

करीना कपूर खान और सैफ अली खान बॉलिवुड के चहेते कपल हैं। दोनों ने 2012 में शादी की थी और तबसे लोगों को रिलेशनशिप गोल्स दे रहे हैं। बेबो से पहले सैफ की शादी अमृता सिंह से हुई थी। करण जौहर के चैट शो पर करीना ने अमृता सिंह के बारे में कुछ सवालों के जवाब दिए थे। करीना ने कहा था, करती हैं अमृता का सम्मान सैफ और अमृता की शादी 1991 में हुई थी लेकिन 2004 में दोनों अलग हो गए थे। करण जौहर ने चैट शो पर करीना से अमृता के बारे मे सवाल किए थे। उनसे पूछा था कि उन दोनों के बीच कैसी इक्वेशन है? इस पर पर बेबो नो जवाब दिया था कि वह कभी अमृता से नहीं मिली हैं। उन्होंने बताया कि सैफ का तलाक होने के कई साल बाद उन दोनों की मुलाकात हुई थी। करीना ने यह भी बताया कि उनके मन में अमृता के लिए बेहद सम्मान है। करीना की सैफ और अमृता के बच्चों सारा और इब्राहिम से काफी अच्छी बॉन्डिंग है। दोनों अपने पिता की दूसरी शादी में शामिल हुए थे। सारा-इब्राहिम करीना सैफ के बेटे तैमूर को भी काफी प्यार करते हैं

मलाइका ने इसलिए लिया था अरबाज़ ख़ान से तलाक

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा भले ही फिल्मों से थोड़ा दूर रहती हैं, लेकिन फिल्म इंडस्ट्री का वो जाना माना चेहरा हैं। एक्ट्रेस अपनी पर्सनल लाइफ और प्रोफेशनल लाइफ, दोनों को लेकर अक्सर खबरों में रहती हैं। आज एक्ट्रेस अपना 47वां जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर हम आपको बताते हैं मलाइका की बीती ज़िंदगी से जुड़ी कुछ ऐसी बातें जो शायद आप नहीं जानते होंगे। मसलन, आप ये तो जानते हैं कि मलाइका अरोड़ा और अरबाज़ ख़ान का तलाक हो चुका है और दोनों का एक बेटा भी है जिसका नाम है अरहान ख़ान, लेकिन आप शायद ये नहीं जानते होंगे कि मलाइका ने अरबाज़ से तलाक लेने का फैसला क्यों किया। एक बेटा होने के बावजूद दोनों के रास्ते क्यों अलग हो गए? कितना मुश्किल था मलाइका का अरबाज़ से अलग होना? और उनके इस फैसले के बारे में जानकर परिवार ने क्या कहा था। एक बार करीना कपूर के रेडियो शो में बात करते हुए मलाइका ने बताया था, 'तलाक लेने का फैसला दोनों ने आपसी सहमति से लिया गया था, ताकि दोनों बेहतर जिंदगी जी सकें। उन्होंने बताया कि जिंदगी के बाकी बड़े फैसलों की तरह यह भी आसान फैसला नहीं था और आखिरकार किसी न किसी पर इस बात को लेकर इल्जाम आना ही था। ये सिर्फ मेरे लिए ही नहीं, बल्कि जो भी मेरे आस-पास हैं, उन सबके के लिए भी बिल्कुल आसान नहीं था। इसलिए अगर मैंने अपने जीवन में इतना बड़ा फैसला लिया है तो बेशक यह मेरा अकेले का फैसला नहीं रहा होगा। इसमें दो लोग शामिल थे। मलायका ने ये भी बताया कि अरबाज़ और वो एक दूसरे को खुश नहीं रख पा रहे थे। इसलिए दोनों ने अलग होने का फैसला लिया। शो में बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने ये भी बताया था कि उन्होंने जब अरबाज और उनके तलाक की बात घरवालों से की तो उन्होंने मलाइका को और सोचने के लिए कहा था। मलाइका ने शो पर तलाक से जुड़ी और बातें शेयर करते हुए बताया कि 'मेरे परिवार ने तलाक की सुनवाई से एक रात पहले भी सब चीजों के बारे में सोचने के लिए कहा था। तलाक से एक रात पहले मैंने अपने परिवार को एक साथ बैठाया। सभी ने मुझसे पूछा कि क्या मैं अपने फैसले को लेकर श्योर हूं? आखिर में मेरे दोस्तों और परिवारवालों ने कहा कि अगर तुम ये फैसला ले रही हो तो तुम्हारे लिए हमारी आंखों में गर्व है। तुम एक मजबूत महिला हो। इन सारी चीजों से मुझे और ताकत मिली। उस वक्त मुझे इस सपोर्ट की बहुत जरूरत थी। उनकी ये बातें सुनकर मुझे बहुत तसल्ली हई थी'। आपको बता दें कि साल 1998 में मलाइका और अरबाज़ ने शादी की थी और 11 मई 2017 में दोनों का तलाक हो गया। अब एक्ट्रेस अर्जुन कपूर को डेट कर रही हैं।

आश्रम के दूसरे सीज़न में खुलकर सामने आएगी बाबा की डार्क साइड

वेब सीरीज़ का दूसरा सीज़न आश्रम चैप्टर 2 अगले महीने 11 तारीख़ को रिलीज़ हो रहा है। बॉबी ने दूसरे चैप्टर का टीज़र इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। टीज़र में बॉबी कहते हैं कि आश्रम की परम्परा वो खुद तय करेंगे। इस सीरीज़ में बॉबी देओल एक काल्पनिक काशीपुर वाले बाबा निराला का किरदार निभा रहे हैं। बॉबी ने इस बारे में कहा- मैं इस सीरीज़ के पहले अध्याय को इतनी बड़ी सफल बनाने के लिए दर्शकों का धन्यवाद करूंगा, इतना ही नही अगले अध्याय में, काशीपुर वाले बाबा निराला का वो रूप और एक ऐसी तीव्र शक्ति दिखाई गई है, जहां वो अपने फायदे के लिए हर नियम को बदल देते हैं और अपने ख़िलाफ़ जाने वाले हर नियम को झुका भी देते हैं। यूं कहें कि एक ऐसा पक्ष दिखाया गया है, जिसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता। आश्रम का निर्देशन प्रकाश झा ने किया है। आश्रम 28 अगस्त को रिलीज़ की गयी थी। प्लेटफॉर्म ने जो आंकड़े जारी किये थे, उसके अनुसार दो हफ़्तों में सीरीज़ को 200 मिलियन यानि 20 करोड़ से अधिक बार स्ट्रीम किया जा चुका था, यानि लगभग इतने लोग इस सीरीज़ को देख चुके थे। इंस्टाग्राम पर एमएक्स प्लेयर के एकाउंट से इसकी जानकारी दी गयी थी। इसके साथ लिखा गया-

आश्रम 200 मिलियन भक्तों के साथ मजबूत हो चुका है। मेहर आपकी। सहारा आपका। जपनाम। सीरीज़ में चंदन रॉय सान्याल, अदिति पोहनकर, दर्शन कुमार, अध्ययन सुमन ने अहम भूमिकाएं निभायी हैं। इसकी कहानी हबीब फैज़ल ने लिखी है। इससे पहले आश्रम ने महज़ पांच दिनों में 100 मिलियन स्ट्रीम्स या व्यूज़ हासिल करने का कारनामा किया था। एमएक्स प्लेयर पर यह सीरीज़ मुफ़्त देखी जा सकती है, यानि सब्सक्रिप्शन का कोई खर्च नहीं है। सीरीज़ की लोकप्रियता की एक वजह यह भी है। आश्रम की कहानी एक ढोंगी बाबा निराला के आश्रम के इर्द-गिर्द घूमती है। बाबा के भक्तों की एक विशाल फौज है, जो उन पर आंख बंद करके भरोसा करती है। बॉबी, बाबा के रोल में हैं। पहले सीज़न में दर्शन कुमार ने पुलिस अधिकारी का किरदार निभाया था, जो बाबा के आश्रम में निकले नरकंकालों और शवों की घटना की जांच कर रहा है। आश्रम के पहले सीज़न में 9 एपिसोड्स थे।

रोमांटिक फिल्म राधे श्याम से सुपरस्टार प्रभास का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी

सुपरस्टार प्रभास और अभिनेत्री पूजा हेगड़े की आगामी फिल्म राधे श्याम चर्चा में हैं। हाल में इस फिल्म से अभिनेत्री पूजा हेगड़े का फर्स्ट लुक सामने आया था, जिसमें उनके किरदार का परिचय कराया गया था। वहीं बुधवार को इस फिल्म से सुपरस्टार प्रभास का फर्स्ट लुक भी सामने आ गया है जिसे सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है। फर्स्ट लुक पोस्टर में प्रभास के किरदार का परिचय भी कराया गया है। फिल्म राधे श्याम से प्रभास के इस फर्स्ट लुक को फिल्म समीक्षक तरण आदर्श ने ट्विटर पर साझा किया है। तरण आदर्श ने लिखा-प्रभास का फर्स्ट लुक- राधे श्याम में प्रभास विक्रमदित्य के रूप में हैं। राधे कृष्णा कुमार निर्देशित इस फिल्म में उसके साथ पूजा हेगड़े हैं।

यामी गौतम फिल्म गिन्नी वेड्स सनी के शूट के दौरान सेट पर हो गई थी बेहोश

अभिनेत्री यामी गौतम फिल्म गिन्नी वेड्स सनी की शूटिंग के दौरान सेट पर डेंगू के चलते बेहोश हो गई थी इस फिल्म में उनके अलावा विक्रांत मेस्सी की अहम भूमिका है कोरोना के बाद बॉलीवुड कलाकारों ने फिल्म की शूटिंग करना शुरू कर दिया है करीब चार-पांच महीने बाद वह दोबारा ऐसा कर पा रहे हैं इस बीच कई कलाकारों के कोरोना पॉजिटिव होने की भी खबरें आती रही हैं यामी गौतम भी बुरे दौर से गुजरी है फिल्म गिन्नी वेड्स सनी की शूटिंग से पहले यामी गौतम को डेंगू हो गया था और उन्हें इससे उबरने का अवसर भी नहीं मिलाद्य इसके चलते एक बार फिल्म के सेट पर गाने की शूट के दौरान 5 या 6 बार रीटेक करने के बाद गर्मी के चलते वह बेहोश हो गई थी यामी गौतम ने कहा, हम फिल्म का गाना शूट कर रहे थे गर्मी के चलते मैं बेहोश हो गई मैं डेंगू से पीड़ित थी इस दौरान आपकी स्किन पूरी तरह से छिल जाती है मेरी स्किन के साथ भी ऐसा ही हुआ थाद्य मुझे समझ में नहीं आ रहा था, क्या करना चाहिएद्य मुझे मेरी टीम के लिए भी बुरा लग रहा था क्योंकि कई लोगों की मेहनत इसमें शामिल थी लेकिन सभी लोग बहुत सपोर्टिव रहे स्हरु गाने की शूटिंग हमने 1 दिन में पूरी की यामी ने आगे कहा कि जब वह ठीक हो रही थी, तब टीम ने उनका पूरा साथ दियाद्य यामी गौतम कहती है, डेंगू के लिए कोई दवाई नहीं है फिल्म के बाद मुझे ठीक होने के लिएबहुत कम समय मिला, पर मैं तैयार थी क्योंकि मुझे पता था कि लोग इंतजार कर रहे हैं फिल्म की तारीख पड़ चुकी थीद्य खाने में मैं सिर्फ खिचड़ी खाती थीद्य दोनों समय मेरा खाना यही हुआ करता थाद्य यामी गौतम कहती है, मुझे लगा कि मुझे कुछ खाने की जरूरत है, अन्यथा मैं रात में शूट नहीं कर पाऊंगी, तब मेरी टीम ने कहा, आप अपने वजन की चिंता ना करें और आप कृपया कर खाएं ताकि आप खुश और एनर्जेटिक रहे।

विदेशों में फिर रिलीज होगी शाहरुख और काजोल की फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे

शाहरुख खान और काजोल अभिनीत रोमांटिक फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे के हाल में 25 साल पूरे किए हैं। आइकॉनिक फिल्म डीडीएलजी 20 अक्टूबर, 1995 को रिलीज हुई थी। इस खास मौक पर जहां फिल्म के कलाकारों ने फिल्म से जुड़ी यादों को ताजा किया है, वहीं अब यशराज बैनर तले बनी इस फिल्म को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। यशराज फिल्म्स ने इस फिल्म को फिर से रिलीज करने का फैसला लिया है। दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे को विदेशों में फिर से रिलीज की जाएगी। यह जानकारी फिल्म समीक्षक तरण आदर्श ने सोशल मीडिया पर दी। तरण आदर्श ने ट्विटर पर लिखा-डीडीएलजी सिनेमाघरों में वापस लौट रही है। काजोल और शाहरुख खान अभिनीत इस फिल्म को फिर से यूएस, कनाडा, यूके, यूएई, सऊदी अरब, कतर, मॉरीशस, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, फिजी, जर्मनी, नॉर्वे, स्वीडन, स्पेन, स्विट्जरलैंड, एस्टोनिया और फिनलैंड के सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। आदित्य चोपड़ा के निर्देशन में बनी यह फिल्म बॉलीवुड की आइकॉनिक फिल्मों में से एक है। इस फिल्म ने हिंदी सिनेमा में रोमांस की एक नई परिभाषा कायम की। इस फिल्म में शाहरुख खान और काजोल मुख्य भूमिका में थे। फिल्म में शाहरुख के किरदार का नाम राज और काजोल के किरदार का नाम सिमरन था। दर्शकों को दोनों की जोड़ी और कमेस्ट्री बहुत पसंद आई थी। इस फिल्म में शाहरुख और काजोल के अलावा अनुपम खेर, अमरीश पुरी, फरीदा जलाल, परमीत शेट्टी, मंदिर बेदी आदि भी महत्वपूर्ण भूमिका में थे। यशराज बैनर तले बनी इस फिल्म से आदित्य चोपड़ा ने बॉलीवुड में बतौर निर्देशक अपनी करियर की शुरुआत की थी और यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई और फिल्म ने कई सारे रिकॉर्ड कायम किए थे।

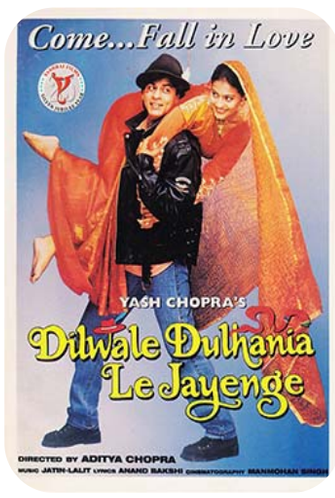

फिल्म चंडीगढ़ करे आशिकी में वाणी कपूर से रोमांस करेंगे आयुष्मान खुराना

आयुष्मान खुराना पहली बार अभिषेक कपूर के साथ काम करेंगे। अभिषेक कपूर द्वारा निर्देशित यह एक रोमांटिक फिल्म होगी। फिल्ममेकर ने फिल्म के टाइटल की घोषणा कर दी है। फिल्म का टाइटल चंडीगढ़ करे आशिकी है। फिल्म में आयुष्मान खुराना के साथ अभिनेत्री वाणी कपूर मुख्य भूमिका में हैं। अभिनेता आयुष्मान खुराना ने बुधवार को अपने गृहनगर चंडीगढ़ में अपनी अगली फिल्म चंडीगढ़ करे आशिकी की शूटिंग शुरू कर दी। आयुष्मान खुराना ने सोशल मीडिया पर फिल्म के सेट से एक तस्वीर साझा की है, जहां वह फिल्म के निर्देशक अभिषेक कपूर और अभिनेत्री वाणी कपूर के साथ नजर आ रहे हैं। इस फिल्म को अभिषेक कपूर निर्देशित करेंगे। फिल्म भूषण कुमार और प्रज्ञा कपूर द्वारा प्रोड्यूस की जाएगी। अभिषेक कपूर ने ट्विटर पर आयुष्मान और वाणी की तस्वीर शेयर कर लिखा-अगली यात्रा प्यार से भरा! इस तरह की अभूतपूर्व प्रतिभा के साथ सहयोग करने के लिए उत्साहित। चंडीगढ़ करे आशिकी। साथ ही उन्होंने आयुष्मान खुराना, वाणी कपूर, भूषण कुमार और प्रज्ञा कपूर को टैग किया। आयुष्मान खुराना ने ट्विटर पर वाणी कपूर और अभिषेक कपूर के साथ तस्वीर शेयर कर लिखा-अगला स्टॉप- मेरा होमटाउन चंडीगढ़ पहली बार। अभिषेक कपूर की लव स्टोरी फिल्म का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित हूं। चंडीगढ़ करे आशिकी। प्रोड्यूसर भूषण कुमार और प्रज्ञा कपूर। को-स्टार वाणी कपूर। अभिनेत्री वाणी कपूर ने ट्विटर पर आयुष्मान खुराना और अभिषेक कपूर के साथ तस्वीर शेयर कर लिखा-प्यार में पडने का समय! अभिषेक कपूर की लव स्टोरी फिल्म चंडीगढ़ करे आशिकी का हिस्सा बनने के लिए बहुत रोमांचित हूं। भूषण कुमार और प्रज्ञा कपूर द्वारा निर्मित। इस फिल्म में आयुष्मान खुराना और वाणी कपूर पहली बार साथ में स्क्रीन साझा करेंगे। निर्देशक अभिषेक कपूर काय पो छे, केदारनाथ जैसी सफल फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। आयुष्मान खुराना को आखिरी बार फिल्म गुलाबो सिताबो में देखा गया था। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफार्म पर 12 जून को रिलीज हुई थी। इस फिल्म में आयुष्मान के साथ अमिताभ बच्चन मुख्य भूमिका में नजर आए थे। वहीं वाणी कपूर ने हाल ही में फिल्म बेल बॉटम की शूटिंग पूरी की है।

अनिल कपूर की शर्टलेस तस्वीर वायरल, दिखाई शानदार बॉडी

अगर हम बॉलीवुड के सबसे फिट अभिनेता की बात करें तो इस लिस्ट में अनिल कपूर का नाम सामने आता है। जिनकी उम्र आज 60 से पार हो चुकी है लेकिन उनको देखने के बाद उम्र का अंदाजा लगा पाना बेहद मुश्किल है। हालांकि अपने आपको फिट रखने के लिए अभिनेता अनिल कपूर काफी मेहनत करते है। यही कारण है कि वो 60 के पार होने के बाद भी फिट दिखाई देते हैं। अनिल कपूर बॉलीवुड के फिटनेस फ्रीक अभिनेता है। हाल ही में उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर अपनी कई तस्वीरें शेयर की है जिसकी वजह से वो चर्चा में आ गए है। कुछ समय पहले ही अनिल कपूर ने एक ऐसी तस्वीर शेयर की है जिसकी वजह से वो चर्चा में आ गए है। अनिल कपूर ने अपने सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीर शेयर करते हुए लिखा कि, यह पिता सिर्फ ज्ञान देने पर ध्यान नहीं देता बल्कि टी-शर्ट निकालता है और बीच पर चलता है। अभिनेता अनिल कपूर की शर्टलेस तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है जिसमे कई लोग उनकी फिटनेस की तारीफ करते हुए नजर आ रहे है। अगर हम बात करें अभिनेता अनिल कपूर के काम की तो वो आने वाले दिनों में कई फिल्मों में नजर आने वाले है।

शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान की लेटेस्ट फोटो हुई वायरल

फिल्म अभिनेता शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान की सोशल मीडिया पर बहुत बड़ी फैन फॉलोइंग है सुहाना खान के नाम पर कई फैन क्लब भी है हाल ही में सुहाना खान की कुछ तस्वीरें दुबई से आई है इनमें वह बहुत खूबसूरत लग रही हैं और यह फोटो जमकर वायरल भी हो रही हैद्य सुहाना खान वर्तमान में अपने परिवार के साथ दुबई में है इन तस्वीरों में सुहाना खान एक खूबसूरत बीच के आगे बैठी हुई है उन्होंने काले रंग की स्लीवलैस टॉप और ब्लू शॉर्ट्स पहन रखी हैं पहली फोटो में वह एक स्टाइलिश पोज कैमरे को देती हुई नजर आ रही हैंद्य वहीं दूसरी फोटो में वह एक वाटर बाइक पर बैठी हुई नजर आ रही है सुहाना खान ने कुछ कुछ दिनों पहले ऐसी ही फोटो इंस्टाग्राम पर पोस्ट की थीद्य सुहाना खान अपने परिवार के साथ दुबई में है शाहरुख खान को हाल ही में स्टेडियम में बैठकर आईपीएल मैच का आनंद लेते देखा गया हैं इस मौके पर आर्यन खान और सुहाना भी नजर आ चुके हैं सुहाना हाल ही में उस समय काफी चर्चा में थी, जब उन्होंने अपने रंग को लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था उन्होंने लिखा था, मैं क्षमा चाहती हूं अगर सोशल मीडिया, भारतीय मैचमेकिंग साइट या आपके परिवार वालों ने आपको यह जताया है कि आप खूबसूरत नहीं है क्योंकि आपकी हाइट 5.7 इंच नहीं है और आप गोरी भी नहीं है, तो आप खूबसूरत नहीं हैद्य मैं आप लोगों को बताना चाहती हूं कि मैं 5.3 इंच की हूं और भूरे रंग की हूं और मैं इसे लेकर बहुत खुश हूं और आप भी रहिए। गौरतलब है कि सुहाना खान को हाल ही में उनके रंग के लिए सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया था इसके बाद उन्होंने अपना पक्ष रखते हुए ट्रोलर्स को जमकर लताड़ लगाई थी।

कार्तिक आर्यन ने करवाया एथनिक लुक में फोटोशूट

बॉलीवुड के दमदार कलाकारों में से एक कार्तिक आर्यन पिछले कुछ वक्त से काफी ज्यादा चर्चा में है। हाल ही में उनका लॉन्ग हेयर लुक काफी ज्यादा वायरल हो रहा था जिसको उनके फैंस ने काफी ज्यादा पसंद किया था। अब एक बार फिर कार्तिक आर्यन चर्चा में आ चुके है। कार्तिक ने अपना एक दमदार फोटोशूट करवाया है। जिसमे वह एथनिक लुक में नजर आ रहे है। मुंबई में 20 अक्टूबर को लैक्मे फैशन वीक का शानदार आगाज़ हुआ। इस बार लैक्मे फैशन वीक में काफी ज्यादा बदलाव देखने को मिले। कोरोना वायरस के चलते इस बार लैक्मे फैशने वीक को वर्चुअली होस्ट किया गया। हाल ही में कार्तिक को मनीष मल्होत्रा के घर के बाहर देखा गया था। जिसको लेकर अब कई आज अब खुल चूका है। मनीष मल्होत्रा के लिए कार्तिक आर्यन शो स्टॉपर बने। इस तस्वीर में कार्तिक लम्बे बाल और बंद गला शेरवानी में नजर आए।

सिनेमाघरों में रिलीज हो भी पाएगी रणवीर सिंह की 83? मेकर्स ने थमाई शर्तों की लंबी लिस्ट

कोरोना वायरस के कारण पिछले लगभग 8 महीनों से बंद पड़े सिनेमाघर फाइनली भारत के कई राज्यों में खुल गए हैं। बाकी बचे हुए राज्यों में भी अगले महीने तक सिनेमाघरों को खोले जाने की उम्मीद है। हालांकि सिनेमाघरों के लिए सावधानी बरतने के काफी निर्देश दिए गए हैं। सिनेमाघरों के बंद रहने के कारण काफी फिल्में रिलीज नहीं हो सकी थीं। अब फैन्स उम्मीद कर रहे हैं कि जल्द ही रुकी पड़ी हुई फिल्में रिलीज हो सकती हैं। इन फिल्मों में अक्षय कुमार की सूर्यवंशी और रणवीर सिंह की 83 का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। सूर्यवंशी की रिलीज के बारे में तो अभी कोई खबर नहीं है लेकिन 83 के बारे में पता चला है कि इसे सिनेमाघरों में रिलीज किए जाने से पहले इसके मेकर्स ने थिअटर मालिकों के सामने शर्तों की लंबी लिस्ट रख दी है। बॉलिवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 83 के मेकर्स ने मल्टीप्लेक्स मालिकों के सामने 4 बड़ी शर्तें रखी हैं जिन्हें सिनेमाघर मालिकों को मानने में काफी कठिनाई होने वाली है। अगर सिनेमाघर मालिक इन शर्तों पर तैयार नहीं होते हैं तो शायद ही रणवीर सिंह की यह फिल्म सिनेमाघरों का मुंह देख पाएगी और फाइनली इसे ऑनलाइन ही रिलीज करना पड़ेगा। आइए, जानते हैं ऐसी क्या शर्तें फिल्ममेकर्स ने रखी हैं। 83 के प्रड्यूसर चाहते हैं कि सिनेमाघर वर्चुअल प्रिंट फी (वीपीएफ) नहीं लें। दरअसल यह फी लगभग 20 हजार रुपये होती है जो हर स्क्रीन के हिसाब से सिनेमाघर मालिक प्रड्यूसर्स लेते हैं। यह फी बेहतर प्रोजेक्शन सिस्टम और साउंड क्वॉलिटी के लिए ली जाती है। ज्यादातर प्रड्यूसर्स का यह मानना है कि अब यह फी नहीं ली जानी चाहिए क्योंकि सिनेमाघर पहले ही नए प्रोजेक्शन सिस्टम की फी वसूल कर चुके हैं। इसके अलावा सिनेमाघर मालिक यह फी केवल भारतीय फिल्मों पर ही लगाते हैं जबकि

विदेशी फिल्मों के प्रड्यूसर्स पर ऐसी कोई फी नहीं लगाई जाती है। रणवीर सिंह की फिल्म के मेकर्स की दूसरी मांग है कि ज्यादातर स्क्रीन्स और शो केवल 83 के ही रखे जाएं। दरअसल अभी सिनेमाघर अपनी पूरी क्षमता के केवल 50 पर्सेंट दर्शक ही बैठा सकते हैं। ऐसे में मेकर्स का कहना है कि यह एक महंगी फिल्म हैं इसलिए उनकी मांग जायज है। अभी कोई भी फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होने के 8 हफ्ते तक ओटीटी प्लैटफॉर्म पर रिलीज नहीं की जा सकती है। 83 के मेकर्स की मांग है कि उनकी फिल्म को थिअटर्स में रिलीज होने के केवल 4 हफ्ते यानी कि एक महीने बाद ही ओटीटी प्लैटफॉर्म पर रिलीज कर दिया जाए। अगर ऐसा होता है तो सिनेमाघर मालिकों की कमाई पर जरूर असर पड़ेगा। हालांकि अभी तक ऐसा कभी हुआ नहीं है कि सिनेमाघरों में फिल्म रिलीज करने के बाद एक महीने में ही उसे ओटीटी पर रिलीज कर दिया गया हो। चौथी शर्त- लिखित में दें, दर्शक न मिले तो 2 हफ्ते बाद ओटीटी पर रिलीज रणवीर सिंह की 83 के प्रड्यूसर्स ने एक और कठिन शर्त सिनेमाघर मालिकों के लिए रखी हैं। उन्होंने कहा है कि अगर रिलीज होने के पहले 2 हफ्ते में फिल्म को दर्शक नहीं मिलते हैं तो उसे ओटीटी पर रिलीज करने के लिए मल्टीप्लेक्स मालिक लिखित में एनओसी देंगे। मेकर्स का कहना है किए इसके बाद हर एक बार देखने पर या नॉर्मल सब्सक्रिप्शन रेट्स पर 83 को ओटीटी पर रिलीज किया जा सकेगा। बताया जा रहा है कि मल्टीप्लेक्स मालिक अभी इन मांगों पर चर्चा कर रहे हैं लेकिन ऐसा लग रहा है कि शायद ही वे इन मांगों पर सहमत हो पाएंगे।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक
स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।
संपादक- कंचन सोलंकी
TITLE CODE- UPHIN48974
Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com
नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।